PLANET NEWS INDIA हर खबर सच के साथ

Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

वर्ष : 01 | अंक : 01 | अलीगढ़, रविवार, 23 अगस्त 2026 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 1/-रुपया | www.planetnewsindia.com

दिल्ली पुलिस को बुरी तरह मारा, VIDEO: पुलिसकर्मियों की आंखों में डाल दिया मिर्च पाउडर, ईंट-डंडों से किया हमला

दिल्ली के भलस्वा डेयरी थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। यहां कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों को बुरी तरह मारा। पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्च पाउडर झोंक दिया और ईंट-डंडों से उन पर हमला कर दिया। मारपीट की घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें कुछ लोग पुलिसकर्मियों को बुरी तरह मारपीट करते दिख रहे हैं। दिल्ली के भलस्वा डेयरी थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। यहां कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों को बुरी तरह मारा। घटना 22 अगस्त को दोपहर करीब तीन बजे मुकुंदपुर के जनता विहार इलाके की है। इलाके के बीट स्टाफ हेड कॉन्स्टेबल दिनेश और हेड कॉन्स्टेबल राजेश पेट्रोलिंग और चेकिंग कर रहे थे। पुलिस ने बिना वैध दस्तावेज वाली एक बाइक को जब्त कर थाने में जमा कर लिया। करीब 3:30 बजे बाइक मालिक और उसके परिवार के कुछ लोग पुलिसकर्मियों की कार्रवाई का विरोध करने पहुंचे।

आरोप है कि विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्च पाउडर डाल दिया और ईंट-डंडों से हमला किया। मदद के लिए पहुंचे हेड कॉन्स्टेबल टीनू पर भी आरोपियों ने हमला कर दिया। हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हुए। सभी घायल पुलिसकर्मियों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से मौके से 17 वर्षीय एक नाबालिग को पुलिस ने पकड़ा है। घटना के बाद अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए। मुख्य फरार आरोपी सुनील उर्फ पंकज इलाके का बदमाश है। पुलिस के मुताबिक, सुनील के खिलाफ पहले से 5 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें एनडीपीएस के 2 मामले भी शामिल हैं। बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं।

एएमयू: कैंपस में बिना नंबर की कार में मिली शराब-गांजा, छात्रों ने तोड़े शीशे, तीन युवक-युवती पुलिस को सौंपे

यूनिवर्सिटी परिसर में बिना नंबर की कार में तीन युवकों और एक युवती के पहुंचने से सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। सवाल यह उठ रहा है कि बिना नंबर की कार को बाब-ए-सैयद से परिसर में प्रवेश की अनुमति आखिर कैसे मिली? अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) परिसर में बिना नंबर की कार में सवार तीन युवकों और एक युवती को लेकर शनिवार को उस समय हंगामा हो गया, जब कार में सवार एक युवती ने एक युवक के साथ मारपीट शुरू कर दी। मौके पर मौजूद छात्रों ने कार के शीशे तोड़ दिया और बाद में प्रॉक्टर कार्यालय का घेराव कर हंगामा किया। रात 10:30 बजे तेज रफ्तार में कार यूनिवर्सिटी परिसर में घुसी। कार में युवती समेत चार लोग सवार थे। वीसी लॉज के पास छात्रों ने कार रोक ली। इसकी सूचना प्रॉक्टोरियल टीम को दे दी। टीम ने मौके पर पहुंचकर कार की तलाशी ली तो कार से शराब की बोतल और गांजा मिलने की बात सामने आई। टीम ने चारों को पुलिस के हवाले कर दिया। कार सवार चारों लोग यूनिवर्सिटी के छात्र नहीं, बल्कि बाहरी थे। यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर प्रोफेसर मोहम्मद नवेद खान ने बताया कि बिना नंबर की कार से शराब की बोतल और गांजा बरामद हुआ है। चारों लोगों को पुलिस को सौंप दिया गया है। मामले में पुलिस की ओर से आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एएमयू परिसर में बाहरी लोगों के प्रवेश और नशे से जुड़े मामलों को लेकर पहले भी विवाद सामने आ चुके हैं। मई 2026 में भी परिसर में कार सवार बाहरी लोगों के घुसने पर हंगामा हुआ था और प्रॉक्टर टीम ने उन्हें पुलिस के हवाले किया था।

बिना नंबर की कार एएमयू में कैसे पहुंची

यूनिवर्सिटी परिसर में बिना नंबर की कार में तीन युवकों और एक युवती के पहुंचने से सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। सवाल यह उठ रहा है कि बिना नंबर की कार को बाब-ए-सैयद से परिसर में प्रवेश की अनुमति आखिर कैसे मिली? घटना के बाद छात्रों के बीच इस बात पर चर्चा तेज हो गई कि बाब-ए-सैयद पर तैनात कर्मचारियों ने कार की जांच क्यों नहीं की और उसमें सवार लोगों से प्रवेश का कारण क्यों नहीं पूछा गया। खासतौर पर तब, जब यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर कार्यालय की ओर से परिसर में वाहनों के पंजीकरण और वाहन पास से संबंधित व्यवस्था पहले से लागू है।

Aligarh News: पति से फोन पर बात करने के विरोध पर गर्लफ्रेंड ने पत्नी को पीटा

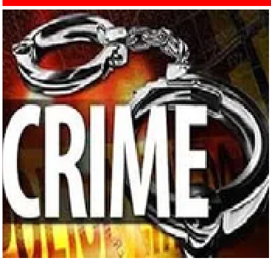

बन्ना देवी थाना क्षेत्र के मसूदाबाद बस स्टैंड के पास पति की दूसरी महिला से फोन पर बातचीत का विरोध करने पर एक महिला को कुछ लोगों ने बेरहमी से पीटा। आरोप है कि पिटाई के दौरान पीड़िता के कपड़े भी फट गए। पुलिस ने आरोपी अमित और उसकी चार बहनों समेत पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस के अनुसार शहर कोतवाली क्षेत्र निवासी एक युवक की बन्ना देवी क्षेत्र की महिला से जान-पहचान हुई थी। दोनों के बीच फोन पर बातचीत होने लगी। इसकी जानकारी युवक की पत्नी को हुई तो उसने विरोध किया। आरोप है कि पत्नी ने संबंधित महिला को फोन कर बातचीत बंद करने की चेतावनी दी थी। शुक्रवार को पीड़िता स्कूटी से सारसौल की ओर जा रही थी। आरोप है कि मसूदाबाद बस स्टैंड के पास अमित और उसकी बहनों ने उसकी स्कूटी रोक ली। इसके बाद गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। पीड़िता ने थाने पहुंचकर शिकायत की। सीओ धनंजय कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

रेल टिकट चेकिंग अभियान : 4093 यात्री पकड़े, 36.24 लाख जुर्माना वसूला

अलीगढ़ स्टेशन और ट्रेनों में एक से 20 अगस्त तक टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान 4093 यात्रियों को प्रभारित कर 36.24 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान बिना टिकट, अनियमित टिकट पर यात्रा, अनबुक्ड लगेज, धूम्रपान और गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अलीगढ़ में 1960 यात्री बिना टिकट यात्रा करते मिले, जिनसे 20.58 लाख रुपये जुर्माना वसूला गया। उन्होंने बताया कि 1860 यात्री अनियमित टिकट के साथ यात्रा करते पकड़े गए, जिनसे 13.58 लाख रुपये वसूले गए। इसके अलावा अनबुक्ड लगेज के नौ मामलों में 2940 रुपये और धूम्रपान व गंदगी फैलाने के 264 मामलों में 2.04 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया।

चंद्रयान-3 से ग्लोबल स्पेस लीडरशिप तक: जिस देश ने साइकिल पर ढोए रॉकेट के पुर्जे, आज बना निवेशकों का नया ठिकाना

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2026 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के तेजी से उभरते निजी अंतरिक्ष क्षेत्र को वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बताया। वहीं, इसरो अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने चंद्रयान-3 की दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग, उससे मिले वैज्ञानिक डेटा और 140 करोड़ भारतीयों को प्रेरित करने को बड़ी उपलब्धि बताया। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत का बढ़ता वैश्विक प्रभाव, खासकर निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की तेजी से बढ़ती भूमिका ने देश को दुनिया भर के निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना दिया है। उन्होंने कहा कि भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर लगातार अपनी मौजूदगी मजबूत कर रहा है और यह देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम की बढ़ती ताकत में साफ दिखाई देता है। प्रधानमंत्री ने नई तकनीक विकसित कर रही जेनरेशन जेड (Gen Z) की भी जमकर सराहना की। वहीं, राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2026 के मौके पर इसरो अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन ने भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए नवाचार, सहयोग और महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय करने पर जोर दिया। अहमदाबाद में तीसरे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह के दौरान उन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की साधारण शुरुआत से लेकर आज की उपलब्धियों तक के सफर को भी याद किया।

विकसित भारत के लक्ष्य में अंतरिक्ष क्षेत्र की अहम भूमिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषणों का एक वीडियो साझा करते हुए कहा, 'मैंने अयोध्या में कहा था कि यह बदलाव के एक नए चक्र की शुरुआत है। इस नए चक्र में भारत वैश्विक व्यवस्था में अपनी अंतरिक्ष उपस्थिति का लगातार विस्तार कर रहा है और यह हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।'उन्होंने कहा कि भारत ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लिया है और इस लक्ष्य को हासिल करने में अंतरिक्ष क्षेत्र की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री के मुताबिक, अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीक में भारत की बढ़ती क्षमता देश की व्यापक विकास यात्रा का अहम हिस्सा बन रही है।

निजी अंतरिक्ष क्षेत्र ने बनाई वैश्विक पहचान

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की उपलब्धियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा,'भारत की निजी अंतरिक्ष प्रतिभा दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रही है। आज भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है।'उन्होंने कहा कि निजी कंपनियों और स्टार्टअप्स की बढ़ती भागीदारी से भारत के अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र को नई गति मिली है। इससे देश में अंतरिक्ष से जुड़ी तकनीकों, नवाचार और निवेश के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

चंद्रयान-3 की सफलता सिर्फ सॉफ्ट लैंडिंग तक सीमित नहीं

डॉ. नारायणन ने चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक उपलब्धि का जिक्र करते हुए कहा कि मिशन ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग की। उन्होंने स्पष्ट किया कि चंद्रयान-3 की उपलब्धि केवल चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित उतरने तक सीमित नहीं है। मिशन के दौरान बड़ी मात्रा में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक आंकड़े हासिल किए गए हैं। उन्होंने बताया कि चंद्रयान-3 से प्राप्त पूरा डेटा दुनिया भर के वैज्ञानिक समुदाय के लिए उपलब्ध करा दिया गया है, ताकि वैज्ञानिक इन आंकड़ों का इस्तेमाल चंद्रमा से जुड़े शोध और नई खोजों के लिए कर सकें। उन्होंने इसे पूरे भारतीय अंतरिक्ष समुदाय, अकादमिक जगत और औद्योगिक साझेदारों की उपलब्धि बताया।

रॉकेट से सैटेलाइट तक नई तकनीक बना रही Gen Z

प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं की क्षमता की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज Gen Z के इंजीनियर, डिजाइनर, कोडर और वैज्ञानिक नई-नई तकनीक विकसित कर रहे हैं। प्रोपल्शन सिस्टम, कंपोजिट मटेरियल, रॉकेट स्टेज और सैटेलाइट प्लेटफॉर्म जैसे क्षेत्रों में भारत के युवा काम कर रहे हैं, जिनकी कुछ समय पहले तक कल्पना भी नहीं की जाती थी। उन्होंने कहा कि युवाओं की यह तकनीकी क्षमता भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

ISRO की सफलता अगली पीढ़ी को कर रही प्रेरित

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इसरो की सफलता भारत की अगली पीढ़ी के वैज्ञानिकों को प्रेरित कर रही है। उन्होंने कहा कि इसरो की उपलब्धियों को देखकर देश के कई बच्चे यह सपना देखने लगे हैं कि बड़े होकर वे भी वैज्ञानिक बनेंगे। उनके मुताबिक, अंतरिक्ष अभियानों की सफलता ने बच्चों और युवाओं के बीच विज्ञान, तकनीक और अनुसंधान के प्रति रुचि को बढ़ाने का काम किया है।

23 अगस्त को मनाया जाता है राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

भारत में हर साल 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया जाता है। यह दिन 2023 में चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट हुई ऐतिहासिक सॉफ्ट लैंडिंग की याद में मनाया जाता है। इस उपलब्धि के साथ भारत चंद्रमा के इस क्षेत्र में पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश बना था। चंद्रयान-3 की यह सफलता भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक ऐतिहासिक पड़ाव साबित हुई और इसने देश की वैज्ञानिक तथा तकनीकी क्षमताओं की बढ़ती ताकत को दुनिया के सामने प्रदर्शित किया।

2026 की थीम- विकसित भारत से वैश्विक अंतरिक्ष नेतृत्व तक

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2026 का आयोजन 'टुवर्ड्स विकसित भारत: इनोवेटिंग, कोलैबोरेटिंग एंड एस्पायरिंग टू ग्लोबल स्पेस लीडरशिप' यानी 'विकसित भारत की ओर: नवाचार, सहयोग और वैश्विक अंतरिक्ष नेतृत्व की आकांक्षा' थीम के तहत किया जा रहा है। यह थीम भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने के साथ-साथ नवाचार, साझेदारी और वैश्विक अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र में देश की बढ़ती भागीदारी को प्रोत्साहित करने की दिशा को दर्शाती है।

डॉ. वी. नारायणन ने नवाचार और सहयोग पर दिया जोर

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2026 के संदेश में इसरो अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन ने विज्ञान और तकनीक की सीमाओं को लगातार आगे बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे साझेदारियां विकसित करना भी जरूरी है, जो भारत के अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत कर सकें। उन्होंने भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए अधिक नवाचार, सहयोग और महत्वाकांक्षी प्रयासों की आवश्यकता बताई।

साइकिल से रॉकेट के पुर्जे ढोने से शुरू हुआ सफर

अहमदाबाद, गुजरात में तीसरे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह के दौरान डॉ. वी. नारायणन ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के शुरुआती दौर को याद किया। उन्होंने कहा, 'जब हमने देश का अंतरिक्ष कार्यक्रम शुरू किया था, तब रॉकेट के पुर्जों को पुराने साइकिलों पर ले जाया जाता था। हमारे पास कोई दूसरा वाहन नहीं था। उस बेहद साधारण शुरुआत से आगे बढ़ते हुए आज हम नौ क्षेत्रों में दुनिया में नंबर एक स्थान पर पहुंच चुके हैं।' उनके मुताबिक, इन सभी के योगदान ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को मजबूत बनाने और उसे वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

140 करोड़ भारतीयों को प्रेरित करना भी बड़ी उपलब्धि

इसरो अध्यक्ष ने कहा कि चंद्रयान-3 की प्रमुख उपलब्धियों में से एक यह भी है कि इस मिशन ने दुनिया भर में मौजूद 140 करोड़ भारतीयों को प्रेरित किया। उन्होंने इसे मिशन की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चंद्रयान-3 की सफलता ने देश में अंतरिक्ष विज्ञान को लेकर उत्साह और गौरव की भावना को और मजबूत किया। चंद्रयान-3 की सफलता ने न केवल भारत की वैज्ञानिक क्षमता का प्रदर्शन किया, बल्कि देश के करोड़ों लोगों को यह विश्वास भी दिलाया कि सीमित संसाधनों से शुरू हुआ भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम आज दुनिया के अग्रणी अंतरिक्ष अभियानों में अपनी जगह बना चुका है।

भारत के अंतरिक्ष सफर में पूरे समुदाय की भूमिका

डॉ. नारायणन ने भारत की अंतरिक्ष यात्रा को किसी एक संस्था या व्यक्ति की उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे अंतरिक्ष समुदाय के सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया। वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थानों, निजी क्षेत्र और औद्योगिक साझेदारों के योगदान से भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में अपनी मजबूत वैश्विक पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य और इसरो के वैज्ञानिकों की महत्वाकांक्षी योजनाओं के बीच भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र अब केवल सरकारी कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रह गया है। निजी कंपनियों, स्टार्टअप्स, युवाओं और वैश्विक निवेशकों की बढ़ती भागीदारी ने इसे देश की आर्थिक और तकनीकी प्रगति के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में शामिल कर दिया है।

दिल्ली पुलिस को बुरी तरह मारा,

पुलिसकर्मियों की आंखों में डाल दिया मिर्च पाउडर, ईंट-डंडों से किया हमला

दिल्ली के भलस्वा डेयरी थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। यहां कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों को बुरी तरह मारा। पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्च पाउडर झोंक दिया और ईंट-डंडों से उन पर हमला कर दिया। मारपीट की घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें कुछ लोग पुलिसकर्मियों के साथ बुरी तरह मारपीट करते दिख रहे हैं। दिल्ली के भलस्वा डेयरी थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। यहां कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों को बुरी तरह मारा। घटना 22 अगस्त को दोपहर करीब तीन बजे मुकुंदपुर के जनता विहार इलाके की है।इलाके के बीट स्टाफ हेड कॉन्स्टेबल दिनेश और हेड कॉन्स्टेबल राजेश पेट्रोलिंग और चेकिंग कर रहे थे। पुलिस ने बिना वैध दस्तावेज वाली एक बाइक को जब्त कर थाने में जमा कर लिया। करीब 3:30 बजे बाइक मालिक और उसके परिवार के कुछ लोग पुलिसकर्मियों की कार्रवाई का विरोध करने पहुंचे।आरोप है कि विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्च पाउडर डाल दिया और ईंट-डंडों से हमला किया। मदद के लिए पहुंचे हेड कॉन्स्टेबल टीनू पर भी आरोपियों ने हमला कर दिया। हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हुए।

सभी घायल पुलिसकर्मियों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से मौके से 17 वर्षीय एक नाबालिग को पुलिस ने पकड़ा है। घटना के बाद अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए। मुख्य फरार आरोपी सुनील उर्फ पंकज इलाके का बदमाश है। पुलिस के मुताबिक, सुनील के खिलाफ पहले से 5 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें एनडीपीएस के 2 मामले भी शामिल हैं। बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं।

प्यार, शादी-शक और कत्ल:

5 साल पहले गर्भपात, इसलिए पत्नी संग बहन को भी मारा; डबल मर्डर और सुसाइड की पूरी कहानी

लखनऊ के डबल मर्डर और सुसाइड केस में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। मानस, उसकी पत्नी दिव्या और बहन तूलिका के शव का शुक्रवार को डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया गया। दिव्या, तूलिका के सिर में गोली फंसी मिली। मानस के सिर से गोली आरपार हो गई थी।

जांच में यह भी सामने आया है कि गर्भपात के बाद मानस और दिव्या के रिश्तों में खटास आई थी। गर्भपात के बाद से दोनों गुमसुम रहने लगे थे। माता-पिता की मौत से मानस की बहन तूलिका अवसाद में चली गई थी।लखनऊ में हुए तिहरे हत्याकांड और आत्महत्या मामले की पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। प्रारंभिक जांचों से पता चला है कि यह गंभीर घटना पारिवारिक कलह और वित्तीय विवादों का परिणाम थी। घटना में मारे गए मानस, उसकी पत्नी दिव्या और बहन तूलिका के शवों का डॉक्टरों के पैनल द्वारा विस्तृत पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, दिव्या और तूलिका के सिर में गोली फंसी पाई गई, जबकि मानस के सिर से गोली आरपार हो गई थी। दिव्या के चेहरे और सिर पर चोट के छह निशान भी मिले हैं, जो घटना की गंभीरता को दर्शाते हैं।

सूत्रों के अनुसार, 18 अगस्त को पारिवारिक न्यायालय में तलाक के मामले में सुनवाई के दौरान मानस और दिव्या के बीच गुजारा भत्ता (एलिमनी) को लेकर तीखी बहस हुई थी। इस विवाद से मानस इतना आहत हुआ कि उसने अपनी पत्नी और बहन की हत्या कर खुदकुशी करने की योजना बनाई। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि मानस ने इस भयानक घटना को अंजाम देने के लिए दो असलहे खरीदे थे।

पुलिस इस मामले की तह तक जाने के लिए दोनों पक्षों के वकीलों से संपर्क साध रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि 18 अगस्त को कोर्ट परिसर में ऐसी कौन सी घटना हुई, जिसके चलते मानस ने यह कदम उठाया। पुलिस कोर्ट परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज की भी बारीकी से जांच कर रही है ताकि दंपती के बीच हुई किसी भी प्रकार की कहासुनी या घटना का पता लगाया जा सके।दिव्या के बहनोई भरत यादव ने उसका शव ले जाकर बैकुंठ धाम पर अंतिम संस्कार किया, जहां सतीश चंद्र मिश्र ने अपनी बेटी को मुखाग्नि दी। वहीं, मानस और तूलिका के शवों के पोस्टमार्टम में देरी को लेकर परिजनों ने हंगामा किया, जिसे पुलिस ने हस्तक्षेप कर शांत कराया। शाम को मानस के मामा अवधेश को शव सौंपे गए, जिन्होंने देर शाम अंतिम संस्कार किया। इस दुखद घटना के बाद पोस्टमार्टम हाउस पर दोनों पक्षों के रिश्तेदार एक-दूसरे से दूरी बनाए हुए थे। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

दोनों पक्षों के वकीलों से पुलिस ने किया संपर्क

दिव्या ने पारिवारिक न्यायालय में वाद दायर किया था। 18 अगस्त को कोर्ट में सुनवाई थी। पुलिस पता लगा रही है कि आखिर 18 तारीख को ऐसा क्या हुआ, जिसके बाद से मानस ने यह कदम उठाया। पुलिस ने दोनों पक्षों के वकीलों से संपर्क किया है। जानकारी जुटाई जा रही है कि कोर्ट परिसर में दंपती के बीच कहासुनी तो नहीं हुई थी। पुलिस कोर्ट परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे भी खंगाल रही है।

पत्नी और पांच बेटियों को रोता छोड़ गए रमन:

दो साथियों के साथ नहाने गए थे, यमुना नदी में डूबने से हुई मौत

नहाते समय रमण मुखिया अचानक गहरे पानी में चले गए और डूब गए। रमण अपनी पत्नी और पांच बेटियों के साथ रहता था। वह मजदूरी करता था।अलीपुर के हिरणकी गांव स्थित यमुना नदी में दो साथियों के साथ नहाने गए 40 साल के रमण मुखिया की डूबने से मौत हो गई। शोर शराबा के बाद नाव लेकर वहां पहुंचे एक मछुआरा ने रमण को बाहर निकाला। पुलिस उसे तुरंत पास के अस्पताल लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस मामले की छानबीन कर रही हैबाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त शोभित डी सक्सेना ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 3:14 बजे यमुना नदी में एक व्यक्ति के डूबने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जहां पता चला कि हिरणकी गांव के रहने वाले तीन लोग ठोकर नंबर 24 के पास यमुना में नहाने के लिए गए थे।नहाते समय रमण मुखिया अचानक गहरे पानी में चले गए और डूब गए। उनके साथ मौजूद लोगों ने शोर मचाया। शोर सुनकर स्थानीय मछुआरा चंदर शेखर मुखिया नाव लेकर मौके पर पहुंचा। उसने काफी प्रयास के बाद रमण को पानी से बाहर निकाल लिया। इसके बाद पुलिस उसे पास के अस्पताल में लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।रमण अपनी पत्नी और पांच बेटियों के साथ रहता था। वह मजदूरी करता था। पुलिस ने परिजनों और चश्मदीदों का बयान दर्ज किया। पुलिस अधिकारी का कहना है कि जांच के दौरान किसी तरह की आपराधिक साजिश या अन्य संदेहास्पद बात सामने नहीं आई। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

रायबरेली: धारदार हथियार से 60 वर्षीय बुजुर्ग की निर्मम हत्या,

इलाके में सनसनी; पुलिस कर रही जांच

रायबरेली में धारदार हथियार से 60 वर्षीय बुजुर्ग की निर्मम हत्या कर दी गई। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यूपी के रायबरेली में 60 वर्षीय बुजुर्ग की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। संदिग्ध परिस्थितियों में हुई वारदात की खबर फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना जगतपुर थाना क्षेत्र के पालकी हार मजरे चिचौली गांव की है। गांव निवासी राम लखन (60) की हत्या हुई है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस हत्या के कारणों का पता लगाने के जुटी है।

चीनी के दाम बढ़ने का मुख्य कारण:

यूपी में गन्ने की खेती से किसानों का मोहभंग, मक्का-धान की ओर बढ़ा रुझान

उत्तर प्रदेश में तीन साल के दौरान गन्ने का रकबा 29.66 से कम होकर 28.61 लाख हेक्टेयर रह गया है। चीनी उत्पादन 104.13 से कम होकर 89.52 लाख टन रह गया है। गन्ने में रेड रॉट रोग लगने से भी उत्पादन में गिरावट आई है। दूसरी तरफ अनाज आधारित डिस्टिलरी को बढ़ावा मिलने से मक्का और धान की ओर किसानों का रुझान बढ़ा है। यूपी में किसानों का रुझान गन्ने से हटकर मक्का और धान की ओर बढ़ रहा है। बीते तीन साल के दौरान प्रदेश में गन्ने का रकबा चार फीसदी कम हो गया है। इसकी वजह से चीनी के उत्पादन में 14 फीसदी कमी आई है। इसी वजह से चीनी के दाम लगातार चढ़ते जा रहे हैं।उप्र चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023-24 में प्रदेश में गन्ने का कुल रकबा 29.66 लाख हेक्टेयर था, जो 2025-26 में 1.05 लाख हेक्टेयर घटकर 28.61 लाख हेक्टेयर ही रह गया। वहीं, 2023-24 में चीनी का उत्पादन 104.13 लाख टन था वह 2025-26 में 14.61 लाख टन घटकर महज 89.52 लाख टन ही रह गया।

रेड रॉट बीमारी ने सबसे ज्यादा नुकसान

गन्ने का रकबा (4 प्रतिशत) घटने के मुकाबले चीनी का उत्पादन (14 फीसदी) करीब 3.5 गुना ज्यादा घट गया है।बीकेटी स्थित चंद्रभानु कृषि महाविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि फसल को मौसम के साथ ही अगोला बेधक कीट और रेड रॉट बीमारी ने सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है।

मक्का और धान का बढ़ा रकबा

यूपी डिस्टिलर्स एसोसिएशन के महासचिव रजनीश अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2018 के बाद से ज्यादा डिस्टिलरी मक्का, चावल व अन्य अनाजों पर आधारित हैं। चीनी उत्पादन में खांडसारी का योगदान 1.5 प्रतिशत से घटकर आधा ही रह गया है।

China: दिन-रात काम फिर भी नहीं पल रहा परिवार, क्या चीन के गिग वर्कर्स का सपना टूट रहा? सरकार की नजरें टेढ़ी

चीन में आर्थिक दबाव, बेरोजगारी और कठिन कामकाजी हालात के बीच मजदूरों और गिग वर्कर्स की जिंदगी साहित्य का विषय बन रही है। फूड डिलीवरी और कूरियर का काम करने वाले श्रमिक अपनी परेशानियों को कविता और किताबों में लिख रहे हैं। यह साहित्य आम लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है। सवाल है कि क्या इन रचनाओं में चीन की बदलती अर्थव्यवस्था और युवाओं की बढ़ती निराशा की असली तस्वीर दिखाई दे रही है?

चीन में आर्थिक दबाव और कठिन कामकाजी हालात अब केवल आंकड़ों या रोजगार के सवाल तक सीमित नहीं रह गए हैं। इनका असर वहां के श्रमिकों की लिखी कविताओं और किताबों में भी दिखाई देने लगा है। फूड डिलीवरी बॉय, कूरियर कर्मचारी और फैक्ट्री मजदूर अपनी रोजमर्रा की परेशानियों, कम आमदनी और परिवार से दूरी को साहित्य के जरिए सामने ला रहे हैं। यह श्रम साहित्य चीन के मध्य वर्ग और युवाओं के बीच भी जगह बना रहा है। इसकी वजह यह है कि बहुत से लोगों को इन रचनाओं में अपनी जिंदगी की झलक दिखाई देती है।

क्यों साहित्य में उतर रही है मजदूरों की मुश्किल जिंदगी?

- फूड डिलीवरी ड्राइवर रहे वांग जिबिंग की कविताएं चीन के श्रमिक जीवन की इसी तस्वीर को सामने रखती हैं।
- उनकी एक कविता में ऐसे डिलीवरी कर्मचारी की जिंदगी दिखाई गई है, जो दूसरे शहर में रहकर दिन-रात काम करता है।
- उसके लिए हर मिनट का मतलब एक और ऑर्डर पूरा करना है, लेकिन इतनी मेहनत के बाद भी परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी नहीं हो पातीं।
- घर से दूर रहने के कारण वह अपने बच्चे से भी दूर होता जाता है।
- यह कहानी अकेले एक व्यक्ति की नहीं मानी जा रही, बल्कि चीन में काम कर रहे कई प्रवासी मजदूरों और गिग वर्कर्स की स्थिति को दिखाती है।
- ऐसे श्रमिक साहित्य में आर्थिक दबाव, थकान, अपमान और बेहतर जीवन की अधूरी उम्मीद जैसे विषय लगातार सामने आ रहे हैं।

क्या गिग वर्कर्स और फैक्ट्री मजदूरों की आवाज अब दबाना मुश्किल हो रहा है?

चीन में कई मजदूर, डिलीवरी कर्मचारी और फैक्ट्री वर्कर अपनी वास्तविक जिंदगी को कहानियों और कविताओं में बदल रहे हैं। युवाओं में बेरोजगारी की ऊंची दर और बेहतर जीवन की उम्मीदों के कमजोर पड़ने से इस साहित्य की मांग बढ़ रही है। इन रचनाओं में वे कठिनाइयां सामने आती हैं, जिन्हें सरकारी नियंत्रण वाले मीडिया में बहुत कम जगह मिलती है। श्रमिक साहित्य के बढ़ते प्रभाव से चीन के अधिकारी भी इसके प्रति सतर्क बताए जा रहे हैं। इसकी खास वजह यह है कि ये रचनाएं किसी राजनीतिक भाषण की तरह नहीं, बल्कि सीधे उस व्यक्ति की जिंदगी से निकलती हैं जो रोज काम करता है, कमाता है और अपने परिवार को चलाने की कोशिश करता है।

कूरियर कर्मचारी की किताब कैसे बनी बेस्टसेलर?

प्रवासी श्रमिक हू अनयान ने कूरियर कर्मचारी समेत 19 अलग-अलग तरह के काम किए हैं। उन्होंने लॉजिस्टिक्स कंपनी में छंटनी करने वाले कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड और सुविधा स्टोर कर्मचारी जैसे काम भी किए। इन नौकरियों के दौरान आए अनुभवों और संघर्षों को उन्होंने इंटरनेट पर निबंधों के रूप में लिखा। बाद में 2023 में इन्हीं अनुभवों पर आधारित किताब प्रकाशित हुई। किताब को लोकप्रियता मिली और उसका अंग्रेजी में अनुवाद भी हुआ। यह उदाहरण बताता है कि श्रमिकों की जिंदगी पर लिखी रचनाएं केवल साहित्यिक वर्ग तक सीमित नहीं रहीं। आम पाठक भी इनमें अपनी या अपने आसपास के लोगों की जिंदगी पहचान रहा है। यही वजह है कि श्रम साहित्य चीन में एक बड़े सामाजिक अनुभव को आवाज देने वाला माध्यम बनता जा रहा है।

वांग जिबिंग को साहित्यिक सम्मान मिलने का क्या मतलब?

वांग जिबिंग की कविताओं को अब साहित्यिक दुनिया में भी गंभीरता से देखा जा रहा है। उनके कविता संग्रह 'लो फ्लाइट' को पिछले महीने प्रतिष्ठित लू शुन साहित्यिक पुरस्कार मिला। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में प्रोफेसर झू पिंग के अनुसार, चीनी लोगों की इस साहित्य में रुचि इसलिए बढ़ रही है क्योंकि उन्हें इसमें अपनी जिंदगी की सच्चाई दिखाई देती है। यही इस पूरे बदलाव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। मजदूर अब केवल उत्पादन या डिलीवरी व्यवस्था का हिस्सा नहीं रह गए हैं, बल्कि अपनी कहानी खुद लिख रहे हैं। उनकी कविताएं और किताबें चीन में आर्थिक दबाव, काम की असुरक्षा और बेहतर जीवन की कमजोर होती उम्मीदों को सामने ला रही हैं। सवाल यह है कि जैसे-जैसे यह साहित्य और लोकप्रिय होगा, क्या चीन में श्रमिकों की वास्तविक स्थिति पर बहस भी उतनी ही तेजी से बढ़ेगी?

Explainer: नवाज शरीफ की 2019 वाली स्क्रिप्ट दोहरा रहे इमरान, क्या सरकार के साथ इलाज के नाम पर हो चुकी है डील?

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जेल में हैं। उनके स्वास्थ्य को लेकर परिवार तथा उनकी पार्टी लगातार चिंता जता रही है। 18 अगस्त 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अस्पताल ले जाने का आदेश दिया और 20 अगस्त को सरकार ने कहा कि जरूरत पड़ी तो विदेश में इलाज की संभावना भी हो सकती है, लेकिन कानूनी प्रक्रिया जरूरी होगी। क्या यह घटनाक्रम 2019 में नवाज शरीफ को मिली मेडिकल राहत की याद दिलाता है? आइए, विस्तार से इस पूरे मामले को समझते हैं? इमरान खान किन मामलों में जेल गए थे? पाकिस्तान में अबतक कितने प्रधानमंत्री जेल जा चुके हैं? पाकिस्तान की राजनिति में ऐसा क्यों होता है? पाकिस्तान की राजनीति में जेल, अदालत और सत्ता का रिश्ता हमेशा बेहद उलझा हुआ रहा। अब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर पैदा हुआ नया विवाद इसी पुराने राजनीतिक पैटर्न की याद दिला रहा है। 18 अगस्त 2026 को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने जेल में बंद इमरान खान को अस्पताल ले जाने का आदेश दिया। इसके दो दिन बाद सरकार ने संकेत दिया कि अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें इलाज के लिए विदेश भी भेजा जा सकता है, लेकिन इसके लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। यही वजह है कि 2019 का नवाज शरीफ प्रकरण फिर चर्चा में आ गया। उस समय भी मामला जेल में बंद एक पूर्व प्रधानमंत्री की बिगड़ती सेहत से शुरू हुआ था। मेडिकल आधार पर राहत मिलने के बाद नवाज शरीफ को इलाज के लिए लंदन जाने की अनुमति मिली थी। उनकी मौजूदा चिकित्सा स्थिति तथा कानूनी स्थिति अलग है। इसलिए सवाल डील का कम और पाकिस्तान की उस राजनीतिक परंपरा का ज्यादा है। इसमें जेल में बंद बड़े नेताओं को स्वास्थ्य के आधार पर राहत मिलने के बाद सियासी समीकरण बदलते रहे हैं। चलिए पहले इतिहास में चलते हैं और जानते हैं कि नवाज शरीफ के साथ क्या हुआ था।

2019 में नवाज शरीफ के साथ क्या हुआ था?

नवाज शरीफ उस समय भ्रष्टाचार के एक मामले में जेल की सजा काट रहे थे। उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया और मेडिकल आधार पर राहत का रास्ता खुला। फरवरी 2019 में इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने मेडिकल आधार पर उनकी जमानत याचिका खारिज की थी, लेकिन बाद के महीनों में उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर मामला फिर गंभीर हुआ। अक्तूबर-नवंबर 2019 में उन्हें मेडिकल आधार पर जमानत मिली और इलाज के लिए विदेश जाने का रास्ता तैयार हुआ। नवंबर 2019 में पाकिस्तान सरकार ने नवाज शरीफ को इलाज के लिए चार सप्ताह के लिए विदेश जाने की एक बार की अनुमति दी थी। सरकार ने इसके लिए एक क्षतिपूर्ति बांड की शर्त भी रखी थी। बाद में लाहौर हाईकोर्ट के आदेश के बाद विदेश जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ी और नवाज शरीफ लंदन चले गए। उनके साथ उस समय उनके भाई शहबाज शरीफ भी थे। यानी 2019 का घटनाक्रम सीधे तौर पर जेल से शुरू होकर मेडिकल जांच, अदालत की राहत और फिर विदेश में इलाज तक पहुंचा था। आज इमरान खान के मामले में भी जेल से अस्पताल और फिर संभावित विदेश इलाज की बात सामने आई है। यही समानता दोनों मामलों को एक साथ देखने की वजह बन रही है।

क्या सरकार सच में इमरान को विदेश भेज सकती है?

यही इस पूरे मामले का सबसे अहम सवाल है। 20 अगस्त को पाकिस्तान सरकार ने संकेत दिया कि अगर इमरान खान के इलाज के लिए जरूरत पड़ी तो उन्हें विदेश भेजने की संभावना पर विचार किया जा सकता है। हालांकि सरकार ने साफ किया कि इसके लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। यानी अभी ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ है कि इमरान खान को लंदन या किसी दूसरे देश भेजा जा रहा है। सरकार की बात इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि जेल में बंद किसी बड़े राजनीतिक नेता को विदेश इलाज के लिए भेजना केवल मेडिकल फैसला नहीं रहता। इसमें अदालत, जेल प्रशासन, सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की भूमिका भी जुड़ जाती है। नवाज शरीफ के मामले में भी विदेश जाने के लिए अदालत और सरकार के स्तर पर कई कानूनी कदम उठे थे। उनके लिए पहले मेडिकल आधार पर राहत मिली और फिर विदेश जाने की अनुमति की प्रक्रिया पूरी हुई थी। इसलिए इमरान के मामले में अभी सबसे सही बात यही है कि विदेश इलाज का विकल्प खुला बताया गया है, लेकिन उसे अंतिम फैसला नहीं माना जा सकता। अगर आगे अदालत या सरकार की ओर से औपचारिक अनुमति मिलती है, तभी इसे नवाज शरीफ वाले घटनाक्रम की अगली कड़ी माना जा सकेगा।

क्या इमरान और नवाज के मामलों में सचमुच समानता है?

- दोनों मामलों में पहली बड़ी समानता यह है कि दोनों पूर्व प्रधानमंत्री जेल में थे और स्वास्थ्य को लेकर गंभीर सवाल उठे। दोनों मामलों में मेडिकल जांच और अदालत की भूमिका सामने आई। दोनों मामलों में विदेश में इलाज की संभावना भी चर्चा में आई। लेकिन दोनों की कानूनी स्थिति बिल्कुल समान नहीं है। नवाज शरीफ को 2019 में विदेश जाने की अनुमति एक तय प्रक्रिया के तहत मिली थी, जबकि इमरान खान के मामले में अभी सरकार ने केवल जरूरत पड़ने पर विदेश इलाज की संभावना जताई है।
- दूसरी बड़ी बात यह है कि इमरान के खिलाफ इस समय भी कई कानूनी मामले और अपीलें चल रही हैं। एक मामले में वह 14 साल की सजा काट रहे हैं, जबकि कई अन्य मामलों में सजा निलंबित या फैसला पलटे जा चुके हैं। ऐसे में विदेश जाना केवल स्वास्थ्य का मामला नहीं होगा। यह कानूनी अनुमति और उनकी हिरासत की स्थिति से भी जुड़ा होगा।
- यही कारण है कि इमरान खान के समर्थक इसे राहत की शुरुआत के रूप में देख सकते हैं, लेकिन अभी इसे जेल से स्थायी बाहर निकलने का संकेत मानना ठीक नहीं होगा। अस्पताल जाना और विदेश में इलाज की अनुमति मिलना दो अलग-अलग बातें हैं।

कनाडा पर फूटेगा ट्रंप का टैरिफ बम: US के साथ व्यापार वार्ता नाकामयाब, आज से कनाडाई उत्पादों पर लगेगा 50% शुल्क

अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापारिक तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। दोनों देशों के बीच अंतिम दौर की बातचीत के बावजूद प्रस्तावित व्यापार समझौते पर सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद अमेरिकी प्रशासन कनाडा से आने वाले करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के चुनिंदा सामान पर 50 प्रतिशत शुल्क लागू करने जा रहा है।

अमेरिका शनिवार तड़के कनाडा के करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने वाला है। आखिरी समय में हुई बातचीत के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर सहमति नहीं बन सकी। इससे पहले से तनावपूर्ण संबंधों में और खटास बढ़ गई है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने शनिवार आधी रात से कुछ देर पहले पत्रकारों के साथ एक कॉल में पढ़े गए बयान में कहा, ''आज रात कनाडा ने इस सप्ताह की शुरुआत में तय शर्तों के तहत व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से इनकार कर दिया। अमेरिका ने कनाडा को हमारे बाजार में किसी भी बड़े निर्यातक के मुकाबले सबसे बेहतर शर्तें देने की पेशकश की थी। इसके बावजूद कनाडा की नई मांगों और कुछ अन्य प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने के कारण पिछले कुछ दिनों में बनाई गई संतुलित व्यवस्था बिगड़ गई।''

व्यापार समझौते को लेकर क्या बोले मार्क कार्नी?

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने जवाब दिया, ''अमेरिका की प्रस्तावित शर्तों में आखिरी समय में किए गए बदलाव अनुचित और आर्थिक रूप से नुकसानदेह थे। उन्होंने किसी भी समझौते की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए।''राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए जाने वाले आयात शुल्क से कनाडा से अमेरिका भेजे जाने वाले कुल उत्पादों में से करीब पांच प्रतिशत प्रभावित होंगे। इनमें हॉकी स्टिक से लेकर जीभ की जांच में इस्तेमाल होने वाली लकड़ी की छोटी छड़ियां तक शामिल हैं।

तीन दिन की समय सीमा बढ़ी, फिर भी नहीं बनी बात

हालांकि, इसका राजनीतिक असर आर्थिक नुकसान से भी बड़ा होने की संभावना है। पिछले साल दोनों देशों के बीच करीब 880 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं का कारोबार हुआ था। इन शुल्कों को शुरुआत में बुधवार रात 12 बजकर 1 मिनट से लागू किया जाना था। लेकिन ट्रंप ने बातचीत जारी रखने के लिए समय सीमा तीन दिन बढ़ा दी थी। इसके बावजूद दोनों देश तय समय तक किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके।

Gaza Israel-Hamas Conflict: 5 साल की हिंद रजब जिस कार में थी, उस पर सैनिकों ने 355 गोलियां बरसाई थीं

इस्राइली सेना ने 934 दिन बाद पहली बार स्वीकारा है कि जनवरी 2024 में गाजा में पांच साल की फलस्तीनी बच्ची हिंद रजब और उसके परिवार को ले जा रही कार पर उसके सैनिकों ने ही गोलियां चलाई थीं। सैनिकों ने हिंद और उसके परिवार की कार पर 355 गोलियां चलाई थीं। यह घटना दुनियाभर में गहरा आक्रोश पैदा कर चुकी है और अब सेना ने इस मामले में आपराधिक जांच के आदेश दिए हैं। 29 जनवरी 2024 को गाजा शहर के तेल अल-हावा इलाके में हिंद अपने छह परिजनों के साथ एक कार में यात्रा कर रही थी, तभी इस्राइली सेना ने कार पर गोलीबारी कर दी। हिंद और उसकी चचेरी बहन लायन को छोड़कर बाकी सभी की मौके पर ही मौत हो गई। लायन ने फलस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी की आपात सेवा को फोन किया और गोलियों व चीख-पुकार के बीच हालात बताती रही, तभी कॉल कट गई। इसके बाद हिंद ने खुद एक कॉल का जवाब दिया और अरबी भाषा में ऑपरेटर से कहा, टैंक मेरे बगल में है...डर लग रहा है, प्लीज आ जाओ। फिर गोलियों की आवाज गूंजी और कॉल अचानक कट गई।

बचाने पहुंची एंबुलेंस पर भी हुआ था हमला

फलस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने बच्चों को बचाने के लिए एक एंबुलेंस भी भेजी। इसकी जानकारी पहले ही इस्राइली सेना को दे दी गई। इसके बावजूद, इस्राइली सेना ने एंबुलेंस पहुंचने के बाद उस पर भी एक गोला दागा, जिसमें दो पैरामेडिक्स की मौके पर ही मौत हो गई। हिंद का शव तब मिला जब इस्राइली सैनिक इलाके से पीछे हटे। गोलियों से छलनी कार में हिंद, उसकी बुआ, चाचा और चार चचेरे भाई-बहनों के शव मिले।

विश्व व्यापार में बड़ा भूचाल: कनाडा-अमेरिका में ट्रेड वॉर भारत को मिलेगा लाभ, किन क्षेत्रों को लाभ के आसार?

अमेरिका-कनाडा में व्यापार वार्ता बिना समझौता टूटने के बाद शनिवार से 20 अरब डॉलर के कनाडाई उत्पादों पर 50% अमेरिकी टैरिफ लागू हो गया है। इससे दोनों देशों में ट्रेड वॉर शुरू हो गया है और कनाडाई पीएम मार्क कार्नी ने अमेरिका को डॉलर के बदले डॉलर देने का एलान किया है।

कनाडा की जगह ले सकेंगे भारतीय उत्पाद

इस ट्रेड वॉर को अमेरिकी-कनाडाई मीडिया ने भारत के लिए मौका बताया है। भारत को इसका लाभ ट्रेड-डायवर्जन नीति के तहत मिल सकता है। वाशिंगटन पोस्ट ने लिखा है कि अमेरिका जब भी किसी एक देश पर भारी टैरिफ लगाता है, तो अमेरिकी आयातक अक्सर वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता तलाशते हैं, जिससे भारत जैसे प्रतिस्पर्धी देशों को कुछ लाभ मिल सकता है।

बड़े भूचाल का सीधा व परोक्ष लाभ भारतीय उद्यमियों को

अमेरिकी बाजार में कनाडाई सामान की जगह भारतीय उत्पाद ले सकते हैं। इनमें ऑटो कंपोनेंट्स और आईटी सेक्टर प्रत्यक्ष लाभ में रहेंगे। विश्व व्यापार में आए इस बड़े भूचाल का सीधा व परोक्ष लाभ भारतीय अर्थव्यवस्था, निर्यातकों और आईटी सेक्टर को मिलने के पूरे आसार हैं। कनाडा के द ग्लोब एंड मेल ने कहा, जो सामान अमेरिका जाता था अब उसे सस्ते दामों पर भारत भेजने की अच्छी संभावनाएं हैं। कनाडा अब नए बाजार खोलेगा, जिसमें भारत प्रमुख होगा।

अमेरिका से टैरिफ के बावजूद लाभ

अमेरिकी टैरिफ-नीति से भारत भी अछूता नहीं है। 23 जुलाई को अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने सेक्शन 301 के तहत भारत पर अतिरिक्त 10% टैरिफ लगाया, जो प्रभावी है। हालांकि यह कई प्रतिस्पर्धी देशों से कम है। भारतीय निर्यात संगठन ने इसे भारत सरकार के कदमों को अमेरिकी मान्यता के रूप में देखा है।

जेनरिक दवाओं की मांग बढ़ेगी

अमेरिकी सरकार द्वारा कनाडा के ऑटो पार्ट्स, औद्योगिक सामग्री, सीमेंट और कंज्यूमर प्रोडक्ट्स पर 50% टैरिफ थोपे जाने से ये सामान अमेरिका में काफी महंगे हो जाएंगे। ऐसे में अमेरिकी कंपनियां विकल्प के रूप में भारत की ओर रुख करेंगी। जेनेरिक दवाओं और टेक्सटाइल में तुरंत 10 से 15% उछाल आ सकता है।

पाम तेल बढ़ाएगा महंगाई: कम उत्पादन से कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर, कीमतों में 14 फीसदी से अधिक उछाल

दुनिया के सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले खाद्य तेलों में शामिल पाम ऑयल की कीमतों में तेज उछाल ने भारत की चिंता बढ़ा दी है। सबसे बड़े उत्पादक इंडोनेशिया की बायोडीजल नीति और दक्षिण-पूर्व एशिया में सूखे मौसम व उत्पादन को लेकर बढ़ती आशंकाओं के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में पाम तेल की कीमतें करीब 20 महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं। इससे वैश्विक बाजार में तेजी का माहौल बन गया है। इसका सबसे बड़ा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर पड़ सकता है।

होटलों और ढाबों में खाना होगा महंगा

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में पाम तेल का उपयोग लंबे शेल्फ-लाइफ और कम लागत के कारण सबसे अधिक होता है। इसके महंगे होने से कंपनियों को कीमतें बढ़ानी पड़ेंगी या पैकेट का वजन घटाना पड़ेगा। साबुन बनाने के लिए मुख्य कच्चा माल पाम फैटी एसिड होता है।

आयात में पाम तेल की हिस्सेदारी कितनी?

भारत अपनी खाद्य तेल जरूरतों का लगभग 58-60 प्रतिशत आयात के जरिये पूरा करता है। आंकड़ों के अनुसार, तेल वर्ष 2024-25 में देश ने करीब 1.63 करोड़ टन खाद्य तेल का आयात किया, जिसमें पाम तेल की हिस्सेदारी लगभग 90 लाख टन रही। इंडोनेशिया और मलयेशिया भारत के लिए पाम तेल के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता हैं।

पाम तेल केवल रसोई तक सीमित नहीं

भारत दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक देश है और अपनी कुल जरूरत का करीब 60% हिस्सा विदेशों से मंगाता है। जुलाई 2026 में भारत का खाद्य तेल आयात 10 महीने के उच्च स्तर 14.8 लाख टन पर पहुंच गया, जिसमें अकेले पाम तेल का आयात करीब 7.31 लाख टन रहा। उत्पादन घटने या कीमतें बढ़ने का सीधा असर भारतीय बाजार पर पड़ना तय है। पाम तेल केवल रसोई तक सीमित नहीं है। इसका उपयोग बिस्कुट, नमकीन, बेकरी उत्पादों, रेस्तरां उद्योग, साबुन, डिटर्जेंट, शैंपू, कॉस्मेटिक्स में बड़े पैमाने पर किया जाता है।

Market Watch: विदेशी निवेशकों ने बदली चाल, भारतीय बाजार में वित्तीय और ऑटो शेयरों पर लगाया बड़ा दांव

अगस्त के पहले पखवारे में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में अपनी रणनीति बदली। 16,618 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश कर वित्तीय, ऑटो और उपभोक्ता शेयरों पर दांव लगाया, जबकि दूरसंचार से निकासी जारी रही। वैश्विक अनिश्चितताओं और बदलते बाजार परिदृश्य के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में अपनी निवेश रणनीति में तेजी से बदलाव किया है। एनएसडीएल के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 1 से 15 अगस्त, 2026 के दौरान कुल शुद्ध प्रवाह बढ़कर 16,618 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह पिछले पखवाड़े (16-31 जुलाई) के 4,642 करोड़ रुपये के मुकाबले काफी अधिक है।

विदेशी निवेशकों ने अब भारी कर्ज और लंबे निवेश चक्र वाले पूंजी-गहन क्षेत्रों से पैसा निकाला है। इसके बजाय, उन्होंने उच्च-तरलता, स्थिर नकदी प्रवाह और रक्षात्मक अपील वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता दी है। इनमें वित्तीय, ऑटो और उपभोक्ता शेयर प्रमुख रूप से शामिल हैं। इस बदलाव से भारतीय बाजार में इन क्षेत्रों में मजबूत खरीदारी का रुख देखने को मिला है। हालांकि, दूरसंचार जैसे कुछ क्षेत्रों से निवेशकों का मोहभंग जारी है।

अगस्त के पहले पखवाड़े में वित्तीय क्षेत्र विदेशी निवेशकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण बना। जुलाई के दूसरे पखवाड़े में 2,669 करोड़ रुपये निकालने के बाद, अगस्त की शुरुआत में उन्होंने 6,535 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। यह कुल क्षेत्रीय प्रवाह का लगभग 40 फीसदी है। एसबीआई सिक्योरिटीज के अनुसार, बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र पर लंबे समय से बना बिकवाली का दबाव अब हल्का हो गया है। विदेशी निधियां दोबारा इस क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत कर रही हैं। इससे पहले मार्च से मई के दौरान इस क्षेत्र से 12,303 करोड़ रुपये की भारी निकासी हुई थी। विदेशी निवेशकों ने ऑटो शेयरों में अपनी खरीदारी लगभग दोगुनी कर दी है, जो 4,405 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

घर-घर पहुंचेगी डिजिटल मुद्रा : यूपी समेत 7 राज्यों में ई-रुपये से मिलेगा अनाज, अब सात राज्यों में होगा लागू

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा आधारित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण का गुजरात, पुडुचेरी, चंडीगढ़ और दादरा एवं नगर हवेली में सफल परीक्षण के बाद अब इसे उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में लागू करने की तैयारी है। देश में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत हर महीने करीब 78.85 करोड़ लाभार्थियों को 19,000 करोड़ रुपये का खाद्यान्न वितरित किया जाता है। सीबीडीसी आधारित खाद्य सब्सिडी वितरण पायलट पहली बार 15 फरवरी 2026 को गुजरात में और उसके बाद 26 फरवरी 2026 को पुडुचेरी में शुरू किया गया था। इन पायलट प्रोजेक्ट्स के अनुभवों और सीखों के आधार पर भारत सरकार ने 14 अगस्त को चंडीगढ़ और दादरा एवं नगर हवेली में इसकी शुरुआत की है।

क्या है केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा

केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी की जाने वाली आधिकारिक डिजिटल करेंसी है। यह जेब में रखे जाने वाले कागजी नोट या सिक्कों का ही डिजिटल स्वरूप है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत देशभर में चल रही प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में फर्जीवाड़ा, राशन कार्डों के घपले और सब्सिडी के लीकेज को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) आधारित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) की बड़े पैमाने पर योजना बनाई है। इसके तहत, खाद्य सब्सिडी पारंपरिक बैंक खाते के बजाय सीधे लाभार्थी के डिजिटल रुपया वॉलेट में ट्रांसफर की जाएगी। इसके बाद लाभार्थी एक सुरक्षित और ट्रैक करने योग्य डिजिटल भुगतान तंत्र के माध्यम से सूचीबद्ध व्यापारियों व दुकानदारों से खाद्यान्न खरीदने के लिए इस उद्देश्य आधारित डिजिटल सब्सिडी का उपयोग कर सकेगा।

कैसे काम करेगी यह व्यवस्था?

स्मार्टफोन यूजर दुकान पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन करेगा। दुकानदार का मार्जिन अलग और सरकार का हिस्सा तय खाते में स्वतः ट्रांसफर हो जाएगा। साधारण मोबाइल वाले यूजर्स को एसएमएस के जरिये ओटीपी आधारित वाउचर आएगा। दुकानदार जैसे ही सिस्टम में ओटीपी दर्ज करेगा, भुगतान पूरा हो जाएगा। अब तक राशन डीलर पर राशन खुले बाजार में बेचने के आरोप लगते थे। डिजिटल रुपये की रियल-टाइम ट्रैकिंग प्रणाली लीकेज, हेराफेरी को कम करने मदद करेगी। यदि कोई लाभार्थी एक निश्चित अवधि में अपना कूपन भुना नहीं पाता, तो वह स्वतः सरकारी खाते में लौट जाएगा, जिससे डीलर द्वारा पिछली तारीखों में फर्जी एंट्री बनाना असंभव होगा।क्या है केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी की जाने वाली आधिकारिक डिजिटल करेंसी है।

Explainer: अचानक क्यों महंगी हो रही चीनी? 65 रुपये किलो तक पहुंचा भाव; आपकी जेब पर क्या होगा असर?

चीनी की बढ़ती कीमतों ने त्योहारों से पहले आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। बाजार में भाव 60-65 रुपये किलो तक पहुंचने के बीच सरकार ने कीमतों पर काबू पाने के लिए 10 लाख टन कच्ची चीनी शुल्क-मुक्त आयात करने का फैसला किया है। सवाल सिर्फ चीनी के महंगे होने का नहीं, बल्कि यह है कि आने वाले दिनों में इसकी कीमतें कहां तक जाएंगी और क्या सरकार का आयात वाला कदम त्योहारों से पहले राहत दिला पाएगा?देश में चीनी की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। कुछ बाजारों में इसके दाम 65 रुपये प्रति किलो तक पहुंचने की खबरें हैं। इस बीच केंद्र सरकार ने 10 लाख मीट्रिक टन कच्ची चीनी बिना आयात शुल्क के मंगाने की अनुमति दी है। दस साल बाद ऐसा होगा जब भारत को चीनी का आयात करना पड़ रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि चीनी के दाम अचानक क्यों बढ़ रहे हैं? क्या देश में चीनी की कमी है या आपूर्ति को लेकर समस्या है?

चीनी के दाम क्यों बढ़ रहे हैं?

चीनी की कीमतों में तेजी की सबसे बड़ी वजह घरेलू बाजार में इसकी उपलब्धता को लेकर बढ़ता दबाव है। देश में चीनी उत्पादन पिछले कुछ वर्षों में लगातार एक जैसा नहीं रहा है। कभी उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा तो कभी इसमें गिरावट देखने को मिली। 15 अप्रैल 2026 तक देश में 273.90 लाख मीट्रिक टन चीनी का उत्पादन हो चुका था। इस दौरान देशभर में 541 चीनी मिलें चल रही थीं और उन्होंने 2,865.21 लाख मीट्रिक टन गन्ने की पेराई की। गन्ने से चीनी निकलने की औसत दर 9.56 प्रतिशत रही।

Gold Silver Price: दिल्ली में सोने का भाव 2,000 रुपये उछला चांदी भी चमकी; वैश्विक तनाव से बाजार में हलचल

वैश्विक बाजार में सोने-चांदी की क्या स्थिति है?

वैश्विक स्तर पर हाजिर सोने का कारोबार 0.5 फीसदी की गिरावट के साथ 4,394.57 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर हुआ। चांदी के भाव में भी गिरावट दर्ज की गई। यह एक फीसदी से अधिक गिरकर 65.08 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर आ गई। मीराए एसेट शेयरखान में कमोडिटीज प्रमुख प्रवीण सिंह ने इस पर टिप्पणी की। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया से उत्पन्न आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण कच्चा तेल उछला। इसी वजह से सोना 4,392 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के आसपास मंडरा रहा था।कोटक सिक्योरिटीज में कमोडिटी रिसर्च के सहायक उपाध्यक्ष कायनात चैनवाला ने कहा कि मजबूत अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड और कुछ मुनाफावसूली के कारण हाजिर चांदी में 65 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस की ओर नरमी आई। चैनवाला ने यह भी बताया कि इस गिरावट के बावजूद, बुलियन के लिए व्यापक पृष्ठभूमि सकारात्मक बनी हुई है। इसे नरम फेड दर की उम्मीदों, चीन के नेतृत्व में केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी और स्थिर निवेश मांग से समर्थन मिल रहा है।

दिल्ली में सोने का भाव 2,000 रुपये बढ़कर 1.58 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया, जबकि चांदी भी 730 रुपये चढ़ी। खुदरा विक्रेताओं और जमाखोरों की खरीदारी के साथ पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने धातुओं को सहारा दिया। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। देश की राजधानी दिल्ली में मंगलवार को सोने की कीमत में 2,000 रुपये की बड़ी वृद्धि दर्ज की गई। खुदरा विक्रेताओं और जमाखोरों की बढ़ी हुई खरीदारी के कारण यह लगातार दूसरे सत्र में बढ़त पर रहा। चांदी के भाव में भी 730 रुपये का उछाल आया। 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने का भाव 1,58,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। सोमवार को यह 1,56,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अखिल भारतीय सर्राफा एसोसिएशन के अनुसार, चांदी भी 2,40,730 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई। यह दो सत्रों तक 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही।

The Bonus Market Update: बाजार में गिरावट का दौर जारी; सेंसेक्स 50 अंक से अधिक लुढ़का, निफ्टी 24,250 के नीचे

बाजार में गिरावट की मुख्य वजह क्या है?

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार की गिरावट के पीछे दो प्रमुख कारण रहे। पहला, अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट में पिछली रात हुई भारी गिरावट का असर भारतीय बाजार पर पड़ा। दूसरा, कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि भी बाजार के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। इन वैश्विक संकेतों ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इससे बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ गया।गुरुवार, 20 अगस्त को घरेलू इक्विटी बाजार में उछाल देखा गया था। निफ्टी में 0.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी। इस दिन भारतीय इक्विटी बेंचमार्क ने सात सत्रों से चली आ रही गिरावट की श्रृंखला को तोड़ा था। निवेशकों ने निचले स्तरों पर मूल्य खरीदारी की थी। इससे बाजार को कुछ राहत मिली थी।विश्लेषकों का अनुमान है कि भारतीय बाजार सीमित दायरे में रह सकते हैं। हालांकि, हल्की सुधार की संभावना भी बनी हुई है। मजबूत वैश्विक संकेत भी बाजार को सहारा दे सकते हैं।

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार, 21 अगस्त को गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 50 अंक से अधिक गिरा, जबकि निफ्टी 24,250 के नीचे आ गया। वॉल स्ट्रीट में नुकसान और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का असर दिखा। आईटी शेयरों में भी गिरावट आई।भारतीय शेयर बार में शुक्रवार, 21 अगस्त को गिरावट का रुख रहा। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 50 अंक से अधिक लुढ़क गया। वहीं, निफ्टी भी 24,250 के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे आ गया। यह गिरावट वॉल स्ट्रीट में रात भर के नुकसान और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण हुई। आईटी शेयरों में भी बिकवाली का दबाव देखा गया।गुरुवार, 20 अगस्त को भारतीय इक्विटी बेंचमार्क ने सात सत्रों की लगातार गिरावट को रोका था। हालांकि, शुक्रवार को बाजार इस सुधार को बनाए रखने में संघर्ष करता दिखा। सुबह 09:33 बजे सेंसेक्स 77,486.07 अंक पर कारोबार कर रहा था। इसमें 51.65 अंक या 0.06 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी 50 भी 24,219.20 अंक पर था। इसमें 12.65 अंक या 0.05 फीसदी की कमी आई।सात लगातार सत्रों की गिरावट के बाद मूल्य खरीदारी इसका समर्थन कर सकती है।

निजी जिंदगी से जुड़ी अफवाहों पर सख्त हुए गोविंदा; जारी किया नोटिस; दोषियों से लिया जाएगा इतने करोड़ का हर्जाना

Govinda: गोविंदा ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर चल रही अफवाहों पर नाराजगी जताई है। उन्होंने एक पब्लिक नोटिस जारी किया है, जिसके तहत दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

अपनी निजी जिंदगी को लेकर चल रही अफवाहों के बीच, गोविंदा ने इंटरनेट यूजर्स और कंटेंट क्रिएटर्स को चेतावनी देते हुए एक पब्लिक नोटिस जारी किया है। इसमें उन्हें अपने या अपने परिवार के बारे में झूठी, मानहानि करने वाली या बिना पुष्टि वाली जानकारी शेयर न करने के लिए कहा गया है। यह नोटिस उनकी पत्नी सुनीता आहूजा की कई वायरल बातचीत के बाद आया है।

एआई कंटेंट पर जताई आपत्ति

आईएएनएस के मुताबिक, इस पब्लिक नोटिस में खास तौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करके बनाई गई फोटो, वीडियो, ऑडियो, इमेज, और दूसरे कंटेंट का जिक्र किया गया है।

नोटिस के जरिए गोविंदा ने साफ कर दिया है कि उन्होंने किसी को भी एआई के जरिए उनकी पहचान या पर्सनल और परिवार से जुड़ी जानकारी बनाने, बदलने या इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी है।

नोटिस में क्या है?नोटिस के अनुसार, नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इसमें मानहानि, प्राइवेसी का उल्लंघन, पहचान का गलत इस्तेमाल और साइबर क्राइम से जुड़े मामले शामिल हैं।

इसमें इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट, 2000 की संबंधित धाराओं का हवाला दिया गया है।

नोटिस में यह भी कहा गया है कि गोविंदा दोषियों के खिलाफ कोर्ट से कई तरह के आदेश ले सकते हैं।

गोविंदा ने चेतावनी दी है कि दोषी पाए जाने वालों से 100 करोड़ रुपये तक का हर्जाना मांगा जा सकता है।

क्यों चिंतित हुए गोविंदा?

इस नोटिस में उन यूट्यूब चैनलों और सोशल मीडिया अकाउंट्स के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की गई है।

Kangana Ranaut:बेशर्मी की सारे हदें पार तापसी पर भड़कीं कंगना सस्ती कॉपी बताकर परवरिश पर उठाया सवाल

Taapsee Pannu: कंगना रनौत ने तापसी पन्नू पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने उनके माता-पिता को लेकर बयानबाजी की है। इससे पहले तापसी ने कंगना पर टिप्पणी की थी।

अभिनेत्री तापसी पन्नू ने कंगना रनौत के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे मतभेदों पर बात की है। 2019 और 2020 में दोनों के बीच सार्वजनिक रूप से झगड़ा हुआ था और बॉलीवुड में नेपोटिज्म पर चल रही बहस के बीच अक्सर उनके नाम एक-दूसरे से जोड़े जाते रहे हैं। हालांकि, तापसी ने अब कहा है कि वह इस विवाद से पहले या बाद में कभी भी कंगना से नहीं मिली हैं। इस पर कंगना ने तापसी पर निशाना साधा है।

कंगना पर क्या है तापसी की राय?

हाल ही में एक बातचीत में तापसी पन्नू से पूछा गया कि क्या उन्होंने और कंगना रनौत ने अपने मतभेद सुलझा लिए हैं।

इस पर उन्होंने कहा कि मैं उनसे नहीं मिली हूं।

जब ये तथाकथित मुद्दे शुरू हुए थे, तब भी मैं उनसे नहीं मिली थी।

अब भी मैं उनसे नहीं मिली हूं।

उनके बारे में मेरी राय मेरी परवरिश और मेरे बात करने के तरीके को दिखाती है।

उनकी राय उनकी अपनी है... वह अपनी बात पर कायम हैं।

इसलिए, मुझे लगता है कि यह देखने और तय करने के लिए काफी है कि कौन कहां से आया है।

तापसी को लेकर क्या बोलीं कंगना?

तापसी पन्नू की इन बातों पर कंगना ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'एक 'सस्ती कॉपी' अपनी आने वाली B-ग्रेड फिल्म के साथ घूम रही है, लेकिन हमेशा की तरह मीडिया के लिए मुख्य मुद्दा कंगना रनौत ही हैं।

Priyanka Chopra: इस एक बात से और मजबूत हुआ प्रियंका चोपड़ा का पति से रिश्ता, भारत से जुड़ा है मामला

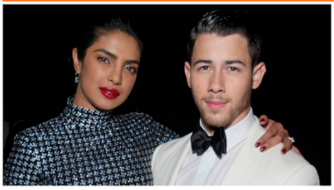

Priyanka Chopra And Nick Jonas: प्रियंका चोपड़ा ने बताया है कि वह क्या वजह रही, जिसके चलते उनका रिश्ता उनके पति से और मजबूत हो गया। हाल ही में वह 'साइकिल ऑफ लव' के प्रीमियर में पहुंचीं थीं।

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा अपनी अदाकारी के साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। वह अपने पति निक जोनस के साथ अक्सर शानदार तस्वीरें शेयर करती हैं। दोनों एक दूसरे पर खूब प्यार लुटाते हैं। इस बीच प्रियंका चोपड़ा ने बताया है कि अगर निक ने भारतीय संस्कृति की कद्र नहीं की होती तो वह उनसे प्यार नहीं करतीं।

निक से क्यों बेहतर हुआ प्रियंका का रिश्ता?प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में निक जोनस के साथ अपनी सांस्कृतिक समझ के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि जब दो लोग अलग-अलग बैकग्राउंड से आते हैं, तो एक-दूसरे की जड़ों का सम्मान करना जरूरी होता है।

अभिनेत्री ने माना कि भारतीय संस्कृति को अपनाने उनके रिश्ते के लिए अच्छा रहा है।

अभिनेत्री ने रिश्ते को मजबूत बनाए रखने में दयालुता के महत्व पर भी जोर दिया।

संस्कृति पर क्या बोलीं प्रियंका?

इकोनॉमिक टाइम्स से बातचीत में प्रियंका ने कहा 'मुझे नहीं पता कि अगर वह ऐसा नहीं करते तो क्या मैं उनसे प्यार करती। किसी भी दो संस्कृति वाली कहानी या रिश्ते में यह एक बड़ी बात होती है। मुझे लगता है कि अपने पार्टनर की जड़ों का सम्मान करना बहुत जरूरी है।'

प्रियंका और निक अक्सर एक-दूसरे के सबसे बड़े सपोर्टर होने के साथ-साथ उन परंपराओं और कल्चर को अपनाने के बारे में बात करते रहे हैं।

साइकिल ऑफ लव' के प्रीमियर में पहुंचीं प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा हाल ही में 'साइकिल ऑफ लव' के प्रीमियर के लिए न्यूयॉर्क में थीं, जो एक डॉक्यूमेंट्री है। इसके लिए उन्होंने एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर काम किया है। यह फिल्म के. महानंदिया और लोटा वॉन शेडविन की असल जिंदगी की प्रेम कहानी पर आधारित है,

कौन हैं गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स? 16 की उम्र में शुरू की थी मॉडलिंग कुछ ऐसे हुई अर्जुन रामपाल से पहली मुलाकात

Who is Gabriella Demetriades: बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल ने शुक्रवार को गोवा में गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स के साथ अपनी शादी को रजिस्टर करवाया। अर्जुन रामपाल और गैब्रिएला 2018 से एक-दूसरे के साथ हैं। दोनों ने हाल ही में गोवा में कोर्ट मैरिज कर अपने रिश्ते को कानूनी रूप दे दिया है।

दोनों ने गोवा के बारदेज सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में शादी रजिस्टर कराई। शादी के बाद एक बार फिर गैब्रिएला के काम, उनकी सोशल मीडिया मौजूदगी और उनकी फैमिली लाइफ को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ गई है।

अर्जुन रामपाल और गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स की पहली मुलाकात काफी समय पहले एक कॉमन फ्रेंड (रजत पटेल) की पार्टी में हुई थी, जब गैब्रिएला बहुत कम उम्र की थीं। हालांकि, तब दोनों के बीच कोई खास बातचीत या जुड़ाव नहीं हुआ था। इसके काफी समय बाद, जब दोनों अपने पिछले रिश्तों से बाहर आए, तो वे दोबारा मिले और एक-दूसरे के करीब आए मॉडलिंग के साथ गैब्रिएला ने एक्टिंग में भी हाथ आजमाया। उन्होंने 'इश्क झमेला', 'सोनाली केबल' और तेलुगु-तमिल फिल्म 'ऊपिरी' जैसी फिल्मों में काम किया है। गैब्रिएला सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके करीब 7 लाख फॉलोअर्स हैं।

पैसा और प्यार में से किसको चुनेंगी निया शर्मा?

टीवी अभिनेत्री ने दिया दो-टूक जवाब फैंस ने भी दी प्रतिक्रिया

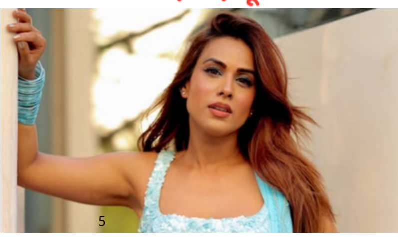

Nia Sharma Viral Video: निया शर्मा टीवी की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जो अपने बोल्ड लुक और बयानों के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में निया शर्मा ने बताया कि वह प्यार और पैसे में से किसका चुनाव करेंगी? निया शर्मा को टीवी सीरियल 'जमाई राजा' और 'नागिन 4' के जरिए घर-घर पहचान मिली थी। इसके अलावा वह कई रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं। हाल ही निया 'लाफ्टर शेफ' के सेट पर नजर आईं। यहां पैपराजी ने उनसे सवाल किया कि वह प्यार और पैसे में से किसे चुनेंगी? इस पर क्या रहा अभिनेत्री का जवाब, जानिए? पैपराजी के सामने निया शर्मा नारंगी रंग के सूट-सलवार में आईं। वह 'लाफ्टर शेफ' का एपिसोड शूट करने आई थीं। इस सेट पर उन्होंने पैपराजी को कहा, 'वह प्यार और पैसे मे से पैसे को चुनेंगी।'

जब फैंस ने निया शर्मा जवाब सुना तो कई सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें सही बताया। इसके अलावा कुछ फैंस ने निया के लुक को सराहा और हार्ट इमोजी शेयर किए। निया शर्मा की इंस्टाग्राम पर अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। उनके लगभग 8 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं। 'नागिन 4' में निया शर्मा ने लीड रोल किया था। अब तक इस टीवी शो के सात सीजन आ चुके हैं, जिनमें मौनी रॉय के अलावा, सुरभि ज्योति, सुरभि चांदना, अदा खान, तेजस्वी प्रकाश और प्रियंका चाहर चौधरी ने लीड रोल किए थे। बीते दिनों इस शो की प्रोड्यूसर एकता कपूर ने एक वीडियो में सभी अभिनेत्रियों की झलक दिखाई है। साथ ही बताया

Awarapan 3: क्या बन रही 'आवारापन 3'? फिल्म को लेकर बिलाल सिद्दीकी का बड़ा खुलासा

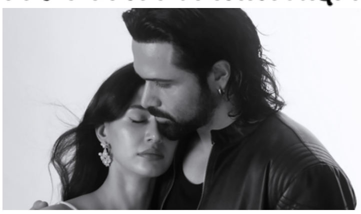

Awarapan 2: एक्टर इमरान हाशमी की फिल्म 'आवारापन 2' बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही है। अब फिल्म के तीसरे पार्ट को लेकर राइटर बिलाल सिद्दीकी ने बड़ा खुलासा किया है। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा। इमरान हाशमी और दिशा पटानी की फिल्म 'आवारापन 2' 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर फैंस में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। अब इसके तीसरे पार्ट पर भी बड़ा अपडेट सामने आया है। इंडिया टुडे को दिए इंटरव्यू में जब बिलाल से पूछा गया कि क्या शिवम की कहानी इसके तीसरे पार्ट में आगे बढ़ सकती है? तब उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि विशाल (प्रोड्यूसर) ने पार्ट 2 का अंत इस तरह रखा है कि अगर वह चाहें तो कहानी को आगे बढ़ा सकते हैं। इसलिए, हम अभी उनसे और उनके प्लान के बारे में सुनने का इंतजार कर रहे हैं। मुझे यकीन है कि फैंस शिवम के किरदार को इतना पसंद करते हैं कि वे उसे एक और पार्ट में जरूर देखना चाहेंगे। मेरे दिमाग में भी यही था कि पार्ट 3 की कहानी कैसी हो सकती है या उसे किस तरह आगे बढ़ाया जा सकता है। लेकिन अभी तक कोई कहानी तय नहीं हुई है। किसी ने अभी तक उस पर काम भी शुरू नहीं किया है।' नितिन कक्कड़ निर्देशित फिल्म 'आवारापन 2' की कहानी की बात की जाए तो इसमें शिवम (इमरान) को दिवंगत प्रेमिका (श्रिया सरन) की कब्र पर एक लावारिस बच्ची मिलती है। वह उसका नाम आलिया रखता है। शिवम उसे अनाथालय में छोड़ देता है। यह फिल्म 2007 में रिलीज हुई

कैसी है अर्जुन बिजलानी की हालत? एक्सीडेंट के बाद दी अपडेट फैंस और कार को लेकर अभिनेता ने कही ये बात

Arjun Bijlani: कार हादसे के बाद अर्जुन बिजलानी ने अपनी सेहत की अपडेट दी है। उन्होंने अपने फैंस और परिवार वालों को धन्यवाद कहा है। आइए जानते हैं उनकी हालत कैसी है? हाल ही में खबर आई कि अर्जुन बिजलानी की कार का एक्सीडेंट हो गया है। इस हादसे से उनके फैंस उनकी सेहत को लेकर परेशान हो गए। अब अभिनेता ने इंस्टाग्राम वीडियो के जरिए सभी को भरोसा दिलाया कि वह बिल्कुल ठीक हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी कार को थोड़ा नुकसान पहुंचा है और उसे ठीक कराने की जरूरत है।

- क्या बोले अर्जुन बिजलानी?वीडियो में अर्जुन ने कहा, 'दोस्तों, मैं बिल्कुल ठीक हूं।'
- उन्होंने एक्सीडेंट के बाद उनका हाल-चाल पूछने के लिए अपने दोस्तों और परिवार का भी शुक्रिया अदा किया।
- उन्होंने कहा, 'मैं अपने उन दोस्तों और परिवार वालों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं।'
- जिन्होंने मुझे कॉल किया और मेरी सेहत के बारे में पूछा। उनका धन्यवाद। मैं बिल्कुल ठीक हूं।
- इस घटना को बहुत छोटा एक्सीडेंट बताते हुए अर्जुन ने कहा, बेशक कार को ठीक कराने की जरूरत है।
- उन्होंने अपने फैंस से कहा 'इतने प्यार के लिए धन्यवाद और अपना ख्याल रखें।'

कब हुआ अर्जुन बिजलानी का एक्सीडेंट?

अर्जुन बिजलानी का एक्सीडेंट गुरुवार, 20 अगस्त को मुंबई में हुआ। वह अपनी आने वाली नेटफ्लिक्स सीरीज 'चुंबक' के प्रमोशन के बाद लौट रहे थे। खबरों के मुताबिक, प्रमोशन के बाद लौटते समय उनकी कार का एक्सीडेंट हुआ। अर्जुन और उनके साथ यात्रा कर रहे अन्य लोग सुरक्षित बच गए और किसी को गंभीर चोट नहीं आई। हाल के दिनों में, अर्जुन बिजलानी टेलीविजन और ओटीटी प्रोजेक्ट्स के बीच तालमेल बिठा रहे हैं। उन्हें आखिरी बार 'लाफ्टर शेफ्स– अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 3' में देखा गया था जहां वह रियलिटी शो की कास्ट का हिस्सा थे। बाद में भारती सिंह के मैटरनिटी ब्रेक के दौरान उन्होंने कुछ एपिसोड होस्ट भी किए थे। वह अक्टूबर 2025 में 'राइज एंड फॉल' के विनर भी बने थे।

Aaj Ka Rashifal 23 August

मेष और सिंह राशि वालों के लिए खुलेंगे तरक्की के रास्ते, धन-करियर में मिलेंगे शुभ संकेत

Aaj Ka Rashifal 23 August 2026: आज का दिन कई राशियों के लिए नए अवसर और महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आ सकता है। मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ और मकर राशि के जातकों के लिए करियर, धन, प्रेम और पारिवारिक जीवन कैसा रहेगा, जानें आज का राशिफल।

Aaj Ka Rashifal 23 August 2026: रविवार का दिन ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति के कारण अलग-अलग राशियों के लिए अलग-अलग परिणाम लेकर आ सकता है। किसी राशि के जातकों को करियर में आगे बढ़ने और आर्थिक लाभ के नए अवसर मिल सकते हैं, तो कुछ लोगों को काम के दबाव, खर्च या पारिवारिक मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत होगी। आज लिए गए फैसलों का असर आपकी नौकरी, कारोबार और आर्थिक स्थिति पर देखने को मिल सकता है।

मेष

आज रिश्तों को संभालकर चलना आपके लिए सबसे जरूरी रहेगा। प्यार और समझदारी से आप हर स्थिति को बेहतर बना सकते हैं। जीवनसाथी आपकी किसी बात से नाराज हो सकते हैं, इसलिए उन्हें मनाने में देर न करें। उधार लेने का विचार आ रहा है तो फिलहाल रुक जाना बेहतर होगा, क्योंकि आगे चलकर आर्थिक दबाव बढ़ सकता है। कारोबार में भी आज बड़े फैसले लेने से बचें। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय बाद में पछतावे का कारण बन सकता है।

वृषभ

आज का दिन खुशियां लेकर आएगा, खासकर विद्यार्थियों के लिए। कोई नया कोर्स शुरू करने या नई दिशा में कदम बढ़ाने का मौका मिल सकता है, जो आगे सफलता दिलाएगा। आमदनी के नए स्रोत बनने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर में किसी नए मेहमान के आने से रौनक बढ़ेगी और परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। नौकरी से जुड़ी कोई परेशानी भी किसी करीबी व्यक्ति की मदद से दूर होती नजर आ रही है।

मिथुन

आज आपका हुनर आपकी सबसे बड़ी पहचान बनेगा। कला, रचनात्मकता और किसी विशेष कौशल में निखार आएगा, जिससे आपको दूसरों से अलग पहचान मिल सकती है। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा और नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिलने की संभावना है। काम के सिलसिले में यात्रा भी हो सकती है। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय हैं तो हर किसी पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात मन खुश कर देगी और आपकी कोई उपलब्धि सम्मान बढ़ाएगी।

कर्क

आज आर्थिक मामलों में राहत मिलने से मन काफी हल्का महसूस करेगा। बच्चों के साथ समय बिताना आपको सच्ची खुशी देगा। कुछ प्रभावशाली या खास लोगों से मुलाकात हो सकती है, जो भविष्य में आपके लिए नए अवसर लेकर आएगी। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई मामला आपसी बातचीत से सुलझने की संभावना है। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा और नौकरी में प्रमोशन या कोई अच्छी खबर मिलने से दिन और भी खास हो सकता है।

सिंह

आज आपको आमदनी और आत्मविश्वास दोनों में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। नए लोगों से संपर्क बनेगा, जो आगे चलकर आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। कारोबार में सुधार होगा और आपके फैसले दूसरों को प्रभावित करेंगे। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा और आप दोनों मिलकर भविष्य की योजनाओं पर काम कर सकते हैं। लंबे समय से अटका सरकारी काम पूरा हो सकता है। साथ ही, नौकरी का कोई नया ऑफर अचानक आपको खुश कर सकता है।

कन्या

आज दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा, लेकिन जिम्मेदारियों से मुंह नहीं मोड़ें। मौज-मस्ती के साथ काम पर भी पूरा ध्यान देना जरूरी है। अगर स्वास्थ्य से जुड़ी कोई परेशानी पहले से चल रही है, तो उसे टालने के बजाय सही सलाह लें। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। संतान को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है। आज अपने काम खुद पूरा करना बेहतर होगा, क्योंकि दूसरों पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता नुकसान पहुंचा सकती है।

तुला

आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है। आप खुद में सुधार लाने की कोशिश करेंगे, लेकिन ऑफिस में किसी बात को लेकर तनाव हो सकता है। मेहनत का परिणाम जरूर मिलेगा, इसलिए धैर्य बनाए रखें। संतान की सेहत पर विशेष ध्यान देना जरूरी होगा। किसी अनजान व्यक्ति के साथ पैसों का लेन-देन करने से बचें। घर में मेहमानों के आने से खर्च बढ़ सकता है और मन थोड़ा विचलित भी रह सकता है। शांत रहकर परिस्थितियों को संभालें।

वृश्चिक

आज चुनौतियां सामने आएंगी, लेकिन आपको उनसे घबराने की जरूरत नहीं है। हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। परिवार में किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा होगी और समाधान की राह निकल सकती है। एक साथ कई जिम्मेदारियां मिलने से व्यस्तता बढ़ेगी, लेकिन यही अनुभव आपको आगे बढ़ाएगा। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ बातचीत करके कोई बड़ा पारिवारिक मामला सुलझ सकता है।

धनु

आज खर्च बढ़ सकते हैं और साथ ही आप भविष्य को लेकर गंभीरता से सोचेंगे। मां की ओर से कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। भाई-बहनों की जरूरतों को नजरअंदाज न करें, वरना रिश्तों में दूरी आ सकती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई से जुड़ा मानसिक दबाव कम महसूस होगा। पिता की कोई बात मन को ठेस पहुंचा सकती है, लेकिन तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय धैर्य से काम लेना बेहतर रहेगा। समय के साथ स्थिति संभल जाएगी।

मकर

आज आपके दिमाग में कई नए विचार आएंगे, जो कारोबार को नई दिशा दे सकते हैं। साझेदारी में काम शुरू करने के अच्छे संकेत हैं। किसी सरकारी योजना में निवेश का विचार बन सकता है, लेकिन दस्तावेज और शर्तें अच्छी तरह जांचने के बाद ही आगे बढ़ें। कुछ लोग आपके भरोसे का गलत फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। अपनी कीमती वस्तुओं का खास ध्यान रखें। किसी पुराने दोस्त से अचानक मुलाकात होगी और पुरानी यादें फिर ताजा हो जाएंगी।

कुंभ

आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई से जुड़ी कोई उपयोगी चीज या अच्छी खबर मिल सकती है। कार्यक्षेत्र की राजनीति से दूर रहना ही समझदारी होगी, क्योंकि बेवजह की चर्चा आपके प्रमोशन पर असर डाल सकती है। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और आपको खुशी मिलेगी। पैसों के लेन-देन में सावधानी रखें। कुछ नया शुरू करने की आपकी कोशिश धीरे-धीरे सफलता का रास्ता खोल सकती है।

मीन

आज आपके आसपास खुशियों का माहौल रहेगा और कारोबार में अच्छा मुनाफा मिलने की संभावना है। ऑफिस में कोई सरप्राइज, उपहार या सम्मान मिल सकता है, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। काम के सिलसिले में की गई यात्रा लाभदायक रहेगी। प्रॉपर्टी से जुड़े लोन के मंजूर होने के संकेत हैं। धन-धान्य में वृद्धि होगी और आमदनी मजबूत बनी रहेगी। दोस्तों की मदद के लिए आप हमेशा की तरह आगे रहेंगे और यही उदारता आपकी सबसे बड़ी पहचान बनेगी।

Aaj Ka Love Rashifal

कन्या और कुंभ राशि के रिश्तों में बढ़ेगा भरोसा, प्रेम जीवन में आएगी नई शुरुआत

Aaj Ka Love Rashifal 23 August 2026: आज ग्रहों की स्थिति का असर आपकी लव लाइफ और रिश्तों पर देखने को मिल सकता है। किसी के रिश्ते में प्यार बढ़ेगा, तो कुछ लोगों को गलतफहमी दूर करने का मौका मिलेगा। जानें सभी 12 राशियों के लिए आज का प्रेम राशिफल।

Aaj Ka Love Rashifal 23 August 2026: प्रेम और रिश्तों के लिहाज से आज का दिन कई राशियों के लिए महत्वपूर्ण रह सकता है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का असर आपके प्रेम जीवन, भावनाओं और पार्टनर के साथ रिश्ते पर देखने को मिल सकता है। कुछ जातकों के रिश्ते में प्यार और नजदीकियां बढ़ेंगी, वहीं कुछ लोगों को छोटी-सी गलतफहमी दूर करने के लिए खुलकर बातचीत करनी पड़ सकती है। जो लोग पहले से रिलेशनशिप में हैं, उनके लिए आज साथी के साथ भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करने का अच्छा मौका मिल सकता है। वहीं सिंगल लोगों की किसी खास व्यक्ति से मुलाकात या बातचीत शुरू होने की संभावना बन सकती है। ऐसे में आइए जानते हैं मेष से मीन तक सभी 12 राशियों के लिए आज का दिन प्रेम और रिश्तों के मामले में कैसा रहने वाला है।

अगस्त माह के आखिरी सप्ताह में इन 5 राशियों का चमक उठेगा भाग्य, अचानक धन लाभ के योग

weekly horoscope: अगस्त माह के आखिरी सप्ताह कई ग्रहों का राशि परिवर्तन होगा जिससे कुछ राशि वालों का भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा।

ग्रहों की चाल हर सप्ताह बदलती रहती है जिसके कारण इसका प्रभाव सभी 12 राशियों के जातकों के ऊपर पड़ता है। 24 अगस्त से महीने का आखिरी सप्ताह शुरू होगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस सप्ताह ग्रहों के राशि परिवर्तन से कई तरह के राजयोग का निर्माण होगा। इस सप्ताह हंस और बुधादित्य राजयोग का संयोग बनेगा। वहीं त्रिग्रही योग भी सूर्य, बुध और केतु की सिंह राशि में बनेगी। जिसका लाभ कुछ राशि वालों को होगा। आपको बता दें कि इस सप्ताह सूर्य, बुध और केतु सिंह राशि में, मंगल मिथुन राशि में , शुक्र कन्या राशि में, गुरु कर्क राशि में, शनि मीन राशि में, राहु कुंभ और केतु सिंह राशि में विराजमान रहेंगे। ऐसे में आइए जानते हैं 24 से 30 अगस्त का समय किन राशि वालों को सबसे ज्यादा शुभ और भाग्यशाली रहेगा।

धनु राशि में चंद्रमा का गोचर, इन राशि वालों को मिलेगी नौकरी-व्यापार में मिलेगी कामयाबी

ज्योतिष में चंद्रमा को मन का कारक मना जाता है। चंद्रमा हर सवा दो दिन में राशि बदलते हैं जिसका प्रभाव राशियों के जातकों के ऊपर देखने को मिलता है।

सभी 9 ग्रहों में जहां शनि सबसे मंद गति से चलते हैं, वहीं चंद्रमा सबसे तेज चाल से राशि बदलते हैं। चंद्रमा लगभग सवा दो दिनों में अपनी राशि बदल लेते हैं। 22 अगस्त को चंद्रमा वृश्चिक राशि की अपनी यात्रा को विराम देकर धनु राशि में प्रवेश करेंगे, जो इस राशि में 25 अगस्त तक रहेंगे। चंद्रमा के धनु राशि में गोचर करने से कुछ राशि वालों के लिए शुभ और फलदायी साबित होने वाला होगा। अचानक आय में वृद्धि, शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है और तरक्की के नए-नए रास्ते खुलेंगे, भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा। आइए जानते हैं कौन-कौन सी हैं ये राशियां।

मेष राशि

चंद्रमा का धनु राशि में गोचर मेष राशि वालों के लिए बहुत ही शुभ और लाभकारी रहेगा। भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा। आने वाले दिनों में आपको कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। नौकरीपेशा जातकों को प्रमोशन मिलने के योग हैं। व्यापार में अच्छा मुनाफा हासिल हो सकता है। लेकिन आपको इस दौरान लेन-देन के मामलों में संभलकर रहना होगा।

Rahu Ketu Gochar: दिसंबर तक इन 3 राशि के लोगों पर रहेगी राहु-केतु की नजरें, उठाना पड़ सकता है नुकसान

Rahu Ketu Gochar In 2026 Kumbh And Singh: राहु और केतु साल के अंत में गोचर करेंगे। हालांकि, जबतक वह कुछ राशि वालों पर अपनी नजरें बनाकर रख सकते है। इससे जातकों को धन, यात्रा और सेहत से जुड़ी परेशानियां झेलनी पड़ सकती है।

Rahu Ketu Gochar In 2026 Kumbh And Singh: राहु और केतु ज्योतिष में बेहद प्रभावशाली ग्रह माने जाते हैं। हालांकि, इन्हें छाया ग्रह कहा जाता है। दोनों का स्वभाव अलग-अलग होने के कारण इनका प्रभाव भी जातकों के जीवन पर अलग-अलग रूपों में देखने को मिलता है। केतु जहां अध्यात्म और वैराग्य के कारक माने जाते हैं, वहीं राहु अचानक होने वाले बदलावों और अप्रत्याशित परिस्थितियों को दर्शाते हैं। वर्तमान में ये दोनों ग्रह शनि और सूर्य की राशि में विराजमान हैं। बता दें, राहु कुंभ में और केतु सिंह राशि में गोचर कर रहे हैं। अब साल के अंत में ये दोनों ग्रह अपनी उल्टी चाल से अगला गोचर करेंगे। तब तक कुछ राशि वालों पर इनका विशेष प्रभाव बना रह सकता है। ऐसे में जातकों को काम, रिश्तों, यात्रा और सेहत के मामलों में सावधानी बरतने की आवश्यकता हो सकती है। आइए जानते हैं किन राशियों को दिसंबर तक संभलकर रहने की जरूरत है।

IND vs SL: क्यों नहीं खेल रहे कुलदीप यादव, टीम मैनेजमेंट का भरोसा टूटा या है कोई और वजह? जानें कैफ ने क्या कहा

भारत ने श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 में एक बदलाव करते हुए कुलदीप यादव की जगह सारांश जैन को मौका दिया। इस फैसले पर मोहम्मद कैफ ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने टीम मैनेजमेंट के फैसले पर निशाना साधते हुए कुलदीप को बाहर रखने की वजह पर सवाल खड़े किए। भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जा रहा है। इस मुकाबले के लिए भारतीय टीम मैनेजमेंट ने प्लेइंग-11 में एक बदलाव किया। चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को बाहर कर स्पिन ऑलराउंडर सारांश जैन को मौका दिया गया है। हालांकि, इस फैसले के बाद मोहम्मद कैफ ने टीम मैनेजमेंट पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा है।

गिल ने टॉस के वक्त कुलदीप को लेकर क्या कहा?

दरअसल, भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टॉस के वक्त कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि कुलदीप यादव इनफेक्शन से जूझ रहे हैं। इस वजह से वह नहीं खेल रहे हैं। उनकी जगह सारांश जैन को डेब्यू कर रहे हैं। हालांकि, शुभमन के इस बयान पर कैफ ने तंज कसा। वह ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर्स से कमेंट्री पैनल का हिस्सा हैं। इस दौरान उन्होंने कहा, 'वाह अब तो कुलदीप को इनफेक्शन ही बता दिया गया है तो क्या कर सकते हैं। आजकल कोई बाहर नहीं होता, सब बीमारी से ही जूझते हैं। अब जब कुलदीप को बीमार ही बता दिया गया है तो कोई क्या कर सकता है।'

कैफ ने टीम मैनेजमेंट पर उठाए सवाल

कैफ ने कहा, 'पर मुझे लगता है कि टीम मैनेजमेंट का उन पर से भरोसा हट गया है। यह एक खिलाड़ी के लिए कितना आत्मविश्वास तोड़ने वाला होता है, यह वो खिलाड़ी ही बता सकता है। कुलदीप पर ही हमेशा गाज गिरती है। इंग्लैंड में जब सब चोटिल थे, तो भी उन्हें नहीं खिलाया गया था। हाल ही में एक वनडे में बुमराह नहीं थे, और कई फ्रंट लाइन गेंदबाज नहीं थे, तब भी कुलदीप को मौका नहीं दिया गया था। यह बताता है कि टीम मैनेजमेंट उनके साथ कैसा व्यवहार कर रहा है।'

कुलदीप के टेस्ट आंकड़े

कुलदीप यादव ने अब तक 19 टेस्ट मैच खेले हैं, जो 13 अलग-अलग टेस्ट सीरीज में आए हैं। इसमें इस सीजन अफगानिस्तान के खिलाफ खेला गया एकमात्र टेस्ट भी शामिल है। उन्होंने किसी टेस्ट सीरीज में दो या उससे ज्यादा मैच सिर्फ चार बार खेले हैं और ये सभी मुकाबले भारत में हुए हैं। 2017 में टेस्ट डेब्यू करने वाले कुलदीप यादव ने अब तक 19 टेस्ट में 80 विकेट लिए हैं। इस दौरान उनका गेंदबाजी औसत 23.36 का और स्ट्राइक रेट 39.38 का रहा है। कुलदीप ने पांच बार पारी में पांच विकेट लिए हैं। इतने शानदार रिकॉर्ड के बावजूद उन्हें नहीं खिलाने का फैसला हैरान करने वाला है।

कुलदीप ने ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा नहीं लिया

कुलदीप सिंहलीज में टीम के साथ मौजूद थे, लेकिन गॉल से आने के बाद से उन्होंने अभ्यास नहीं किया था। दो दिन पहले भारत का पूरा ट्रेनिंग सेशन हुआ था, जिसमें उन्होंने आराम मांगा और हिस्सा नहीं लिया। शनिवार को वैकल्पिक अभ्यास सत्र था, लेकिन उसमें भी वह नजर नहीं आए। बहुतुले और गंभीर ने उनकी तारीफ करते हुए उनकी क्षमता को सराहा था, लेकिन दोनों में से किसी ने भी यह संकेत नहीं दिया कि टीम के लिए यह कलाई का स्पिनर हर हाल में जरूरी है। अब उन्हें एक टेस्ट के बाद ही बाहर कर दिया गया। कुलदीप पिछले टेस्ट में एक ही विकेट ले पाए थे, लेकिन उन्हें बाकी दो स्पिनर्स की तुलना में कम गेंदबाजी भी कराई गई थी।

पिछले टेस्ट में क्या हुआ था?

कुलदीप ने गॉल टेस्ट में श्रीलंका की पहली पारी में मात्र 14 ओवर गेंदबाजी की और 65 रन देकर एक विकेट लिए। वहीं, दूसरी पारी में 11 ओवर में बिना कोई विकेट लिए 38 रन दिए। वहीं बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने दोनों पारियों को मिलाकर 45.2 ओवर गेंदबाजी की और 10 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा ने दोनों पारियों को मिलाकर 44 ओवर फेंके और चार विकेट लिए। कुलदीप लंबे समय से टेस्ट स्क्वॉड का हिस्सा रहे हैं, लेकिन उन्हें नियमित रूप से कभी मौका नहीं मिला। मानव सुथार के आने के बाद उनके लिए मुश्किल और बढ़ी है।

IND vs SL Playing 11: क्या सारांश जैन को मिलेगा डेब्यू का मौका, कुलदीप का जगह बनाना मुश्किल; कितने बदलाव संभव?

India vs Sri Lanka Test Playing 11 Prediction: भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा और आखिरी मुकाबला आज से कोलंबो के सिंहली क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 165 रनों से जीत दर्ज की थी। ऐसे में शुभमन गिल की अगुआई में भारतीय टीम सीरीज को 2-0 से अपने नाम करने के इरादे से उतरेगी। भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा आज से कोलंबो में खेला जाएगा। भारतीय टीम ने गॉल टेस्ट में बड़ी जीत दर्ज की थी और वह यह मुकाबला भी जीत सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। इस मैच में भारतीय टीम एक बदलाव के साथ उतर सकती है। सारांश जैन को डेब्यू का मौका मिल सकता है, लेकिन इसके लिए टीम प्रबंधन को कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को बाहर बैठाना पड़ सकता है।

डब्ल्यूटीसी में सुधर सकती है स्थिति

भारत अगर इस सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लेता है, तो वह 57.58 प्रतिशत अंकों के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच सकता है। लेकिन यह बांग्लादेश की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में हार पर ही संभव हो पाएगा। डार्विन में पहले टेस्ट में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाला बांग्लादेश अभी चौथे स्थान पर है।

गिल-यशस्वी पर नजरें

भारत को इस मैच में गिल और जायसवाल से बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। गिल अच्छी फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपनी पिछली छह पारियों में दो शतक बनाए हैं। लेकिन पिछले मैच में उनका बल्ला नहीं चल पाया था। गिल ने कप्तानी संभालने के बाद 10 टेस्ट मैचों में 73 से अधिक के औसत से 1100 रन बनाए हैं। वह कप्तान के रूप में विदेश में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीतने के लिए भी प्रतिबद्ध होंगे। जायसवाल की समस्या थोड़ी और गंभीर है। पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ नई दिल्ली में शतक बनाने के बाद इस सलामी बल्लेबाज ने अपनी पिछली आठ पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक बनाया है। जायसवाल तेज गेंदबाजों के खिलाफ कट या चिप शॉट खेलकर आउट हो रहे हैं जो चिंताजनक है। गॉल में पहली पारी में रन आउट होने के बाद जायसवाल दूसरी पारी में भी इसी तरह से आउट हुए थे। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपने खेल के इस पहलू में सुधार करने के लिए शुक्रवार को एसएससी में नेट पर काफी समय बिताया। भारत के तेज गेंदबाजों और गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने ऑफ स्टंप के बाहर की उस लाइन को निशाना बनाया, जिससे जायसवाल को कट या चिप शॉट खेलने के लिए लुभाया जा सके।

कुलदीप ने अभ्यास सत्र में नहीं लिया हिस्सा

कोलंबो टेस्ट में सभी की नजर रहेगी कि कुलदीप यादव प्लेइंग-11 में जगह बना पाते हैं या नहीं। पहले मैच में पिच से काफी मदद मिलने के बावजूद उन्होंने दो पारियों में 25 ओवरों में सिर्फ एक विकेट लिया था। कुलदीप पहले टेस्ट मैच में गेंदबाजों में सबसे महंगे साबित हुए, उन्होंने प्रति ओवर चार से अधिक रन लुटाए। श्रीलंका की टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजों को देखते हुए ऑफ स्पिनर सारांश जैन को डेब्यू का मौका मिल सकता है। लेकिन सिर्फ एक मैच के बाद किसी सीनियर गेंदबाज को टीम से बाहर करना गलत संकेत दे सकता है। कुलदीप ने शुक्रवार को अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया था जिससे यह कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्हें प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिलेगी। लेकिन अंतिम निर्णय काफी हद तक कोलंबो की पिच पर निर्भर करता है, जिसे पिछले दो दिनों में पानी डालकर उसकी पकड़ बनाए रखी गई है।

दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारत की संभावित प्लेइंग-11:

यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, सारांश जैन, मानव सुथार, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज।

IND vs SL Weather: भारत-श्रीलंका के बीच कोलंबो टेस्ट पर बारिश का साया? जानें कैसा है मौसम का पूर्वानुमान

Colombo Weather Forecast, IND vs SL 2nd Test 2026: भारत और श्रीलंका के बीच आज से दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में बारिश ने मैच को प्रभावित किया था। दूसरे टेस्ट में भी बारिश मैच में खलल डाल सकती है। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच आज से कोलंबो के सिंहली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। हालांकि, गॉल की तरह इस टेस्ट मुकाबले पर भी बारिश का साया मंडरा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, दूसरे टेस्ट मैच के पांचों दिन बारिश होने की आशंका है। टेस्ट के पहले दिन बारिश का पूर्वानुमान 64 प्रतिशत है। सुबह और दिन के समय में बारिश होने की संभावना ज्यादा है।

पांचों दिन मौसम का हाल

कोलंबो टेस्ट के दूसरे दिन बारिश होने की संभावना सबसे ज्यादा 96 प्रतिशत है। टेस्ट मैच के तीसरे दिन बारिश होने की आशंका 91 प्रतिशत है। चौथे दिन भी बारिश मैच का मजा किरकिरा करेगी, जबकि टेस्ट के आखिरी दिन भी बारिश मुकाबले में लगातार खलल डाल सकती है। टेस्ट के पांचवें दिन बारिश होने की संभावना 91 प्रतिशत है। भारतीय टीम दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे है।

गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 165 रनों से जीत दर्ज की थी। भारत की ओर से बल्लेबाजी में देवदत्त पडिक्कल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 167 रनों की दमदार पारी खेली थी। वहीं, केएल राहुल ने 82 रनों का योगदान दिया था। ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल ने भी अर्धशतकीय पारी खेली थी। वहीं, गेंदबाजी में मानव सुथार का जादू खूब चला था और उन्होंने पहली पारी में चार और दूसरी पारी में छह विकेट चटकाए थे। श्रीलंका के बल्लेबाजों ने भारतीय स्पिनर्स के आगे आसानी से घुटने टेक दिए थे। चौथी पारी में 372 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम 202 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी।

AFG vs IRE ODI: दो शतक 231 रन की साझेदारी और बना ऐतिहासिक स्कोर आयरिश गेंदबाजों पर हावी हुए अफगानी बल्लेबाज

सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान के शतकों की बदौलत अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 343/9 का स्कोर बनाया। यह वनडे क्रिकेट में अफगानिस्तान का सबसे बड़ा स्कोर है, जबकि अटल-जादरान ने दूसरे विकेट के लिए 231 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ चौथे वनडे मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए इतिहास रच दिया। सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान के शानदार शतकों की बदौलत अफगानिस्तान ने 50 ओवर में नौ विकेट खोकर 343 रन बनाए। यह वनडे क्रिकेट में अफगानिस्तान का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले टीम का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 339 रन था, जो उसने 2024 में श्रीलंका के खिलाफ बनाया था।

अटल-जादरान ने संभाली पारीटॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद इब्राहिम जादरान और सेदिकुल्लाह अटल ने पारी को संभालते हुए आयरिश गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 220 गेंदों में 231 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। यह अफगानिस्तान की ओर से दूसरे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है

आखिरी ओवरों में लड़खड़ाई अफगानिस्तान की टीम

अटल और जादरान के आउट होने के बाद अफगानिस्तान की पारी थोड़ी धीमी पड़ गई। दरविश रसूली ने 14 गेंदों में 24 रन बनाए, जबकि अजमतुल्लाह उमरजई 12 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान रहमत शाह सिर्फ 2 रन बना सके। राशिद खान ने 10 गेंदों में 11 रन बनाए, जबकि हशमतुल्लाह शाहिदी 7 रन बनाकर नाबाद रहे। गजनफर खाता नहीं खोल सके। अफगानिस्तान ने आखिरी दो ओवरों में तीन विकेट गंवाए, जिसके कारण टीम 350 रन का आंकड़ा पार करने से चूक गई। आयरलैंड की ओर से बायरन मैकडोनो ने तीन विकेट लिए, जबकि मार्क रिचर्ड एडायर और गेविन होए को दो-दो सफलता मिली। 339 रन का रिकॉर्ड टूटा

अफगानिस्तान के 343 रन के साथ ही टीम ने अपना पिछला वनडे रिकॉर्ड तोड़ दिया। उसने 2024 में श्रीलंका के खिलाफ बनाए 339/6 के स्कोर को पीछे छोड़ते हुए वनडे क्रिकेट में अपना नया सर्वोच्च स्कोर बनाया। अटल और जादरान की शतकीय पारियों ने इस ऐतिहासिक स्कोर की नींव रखी। इब्राहिम जादरान ने शानदार लय में बल्लेबाजी करते हुए 118 गेंदों में 107 रन बनाए। उनकी पारी में 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं, सेदिकुल्लाह अटल ने इससे भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और 120 गेंदों में 143 रन ठोक दिए। उन्होंने अपनी पारी में 17 चौके और चार छक्के लगाए। अटल और जादरान की यह साझेदारी 50 ओवर के प्रारूप में अफगानिस्तान की किसी भी विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इसके अलावा, यह अफगानिस्तान के वनडे इतिहास में केवल चौथा मौका जब एक ही मैच में टीम के दो बल्लेबाजों ने शतक लगाए हैं।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300